शुक्रवार 15 अगस्त 2025
सूर्योदय प्रातः 05:51 बजे
सूर्यास्त सांय 19:01 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 स्वतंत्रता का अधूरा आलाप

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 301 | गाजियाबाद, शुक्रवार 15 अगस्त 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

विकसित भारत के निर्माण में यूपी की भूमिका होगी निर्णायक: योगी

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

उत्तर प्रदेश विधानसभा में विजन 2047 पर 24 घंटे से अधिक चली ऐतिहासिक चर्चा का समापन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि भारत विकसित तब बनेगा, जब हर राज्य अपनी भूमिका निभाएगा और इसमें उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहेगा।

मुख्यमंत्री ने सत्ता पक्ष और विपक्ष के 187 विधायकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि सभी ने गंभीरता और रुचिपूर्ण ढंग से बहस को सार्थक बनाया। उन्होंने कहा कि 24 घंटे से अधिक चली यह चर्चा लोकतंत्र की शक्ति और सदस्यों की गंभीरता का प्रमाण है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश केवल देश का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य ही नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का ध्वजवाहक भी है। उत्तर प्रदेश सिर्फ बड़ी आबादी वाला राज्य नहीं, यह भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ऊर्जा का केंद्र बिंदु है। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि 2023 में लखनऊ में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के उद्‌घाटन के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि उत्तर प्रदेश दुनिया के लिए ब्राइट स्पॉट है तो उत्तर प्रदेश भारत की ग्रोथ का ड्राइविंग फोर्स बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा " अधिकांश सदस्य इस चर्चा में अपने विचार और विज़न को रखना चाहते थे, लेकिन समय और संसाधनों की सीमाओं को देखते हुए हमें चर्चा को आगे बढ़ाना है। इससे संबंधित व्यापक कार्यनीति तैयार करनी है और समाज से जुड़े सभी हितधारकों तक जाना है। उनसे बातचीत के बाद, एक विश्तृत चर्चा कर, सेक्टर-वार मुद्दों पर हम फिर सदन में आएंगे। यह चर्चा उन लोगों के लिए भी आंखें खोलने वाली है जो विधायिका और सदस्यों के आचरण पर उंगली उठाते हैं। प्रदेश और देश के लिए जब भी आवश्यकता पड़ी, हम सभी ने अपना योगदान दिया है और आगे भी देते रहेंगे। हम सबका सौभाग्य है कि देश अपनी आज़ादी के अमृतकाल में प्रवेश कर रहा है।

स्वतंत्रता के 78 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। यह यात्रा आत्मावलोकन का अवसर है। मैं कई अवसरों पर इस 24 घंटे की चर्चा का हिस्सा बना। मैंने देखा कि सत्ता पक्ष, विपक्ष और अन्य सभी माननीय सदस्यों ने इसमें गंभीर रुचि दिखाई। कुछ सदस्यों ने तो रातभर जागकर भी चर्चा में योगदान दिया, जिससे देश का भी ध्यान इस ओर गया।"

PM ने विभाजन की विभीषिका झेलने वालों को श्रद्धांजलि दी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर देश के इतिहास के सबसे दुखद अध्यायों में से एक के दौरान अनगिनत लोगों द्वारा झेली गई अपार पीड़ा को गंभीरता से याद किया और अपने प्राण गंवाने वालों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को यहां बताया कि प्रधानमंत्री ने विभाजन के दंश से प्रभावित लोगों के साहस और दृढ़ इरादों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा अकल्पनीय क्षति का सामना करने के बावजूद अपने जीवन को फिर से बनाने की शक्ति पाने की उनकी क्षमता को नमन किया।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाता है और हमारे इतिहास के उस दुखद अध्याय के दौरान अनगिनत लोगों द्वारा झेली गई उथल-पुथल और पीड़ा को याद करता है। यह उनके साहस...अकल्पनीय क्षति का सामना करने और फिर भी नए सिरे से शुरुआत करने की शक्ति पाने की उनकी क्षमता का सम्मान करने का भी दिन है। प्रभावित हुए कई लोगों ने अपने जीवन को फिर से बनाया और उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं।

यह दिन हमारे देश को एक सूत्र में पिरोने वाले सद्भाव के बंधन को मजबूत करने की हमारी स्थायी जिम्मेदारी की भी याद दिलाता है।" उल्लेखनीय है कि 1947 में आजादी से पहले देश के बंटवारे की भीषण त्रासदी के दौरान प्राण गंवाने और विभाजन की पीड़ा झेलने वाले लोगों के सम्मान में यह दिन मनाया जाता है।

राहुल का स्वच्छ मतदाता सूची के लिए लोगों से जन आंदोलन से जुड़ने का आह्वान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष की नेता राहुल गांधी ने कहा है कि जनता के वोट चोरी हो रहे हैं इसलिए सभी लोगों को एकजुट होकर स्वच्छ मतदाता सूची के लिए चलाये जा रहे उनके आंदोलन में शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह 'एक व्यक्ति एक वोट' के सिद्धांत के अधिकार की निर्णायक लड़ाई लड़ रहे हैं। इस लड़ाई से देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाना है इसलिए वह देश की जनता का इस आंदोलन में शामिल होने का आह्वान कर रहे हैं। श्री गांधी ने कहा '17 अगश्त से वोटर अधिकार रैली के साथ हम बिहार की धरती से वोट चोरी के ख़िलाफ़ सीधी लड़ाई छेड़ रहे हैं। यह सिर्फ़ एक चुनावी मुद्दा नहीं, यह लोकतंत्र, संविधान और 'वन मैन वन वोट' के सिद्धांत की रक्षा का निर्णायक संग्राम है।' उन्होंने कहा 'हम पूरे देश में स्वच्छ मतदाता सूची बनवाकर ही रहेंगे। युवा, मज़दूर, किसान, हर नागरिक, उठो और इस जनांदोलन से जुड़ो। अब की बार, वोट चोरों की हार - जनता की जीत, संविधान की जीत।'

SC ने की हत्या के आरोपी कन्नड़ अभिनेता दर्शन की जमानत रद्द

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने रेणुकास्वामी हत्याकांड में कन्नड़ फिल्म अभिनेता दर्शन थुगुदीपा और पवित्रा गौड़ा के साथ अन्य पांच को कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा दी गयी जमानत गुरुवार को रद्द कर दी। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ अभियुक्तों को जमानत देने के आदेश को चुनौती देने वाली कर्नाटक सरकार की याचिका स्वीकार कर ली और उच्च न्यायालय का आदेश रद्द कर दिया। राज्य सरकार ने अभियुक्तों की जमानत के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। पीठ ने अपना आदेश सुनाते हुए कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश में कई खामियां हैं। इसमें गवाहों के बयानों पर भी विचार किया गया है, जोकि निचली अदालत का विशेषाधिकार है। शीर्ष अदालत ने आरोपियों को राहत देने वाले आदेश पर कहा, "उच्च न्यायालय का आदेश शक्ति के यांत्रिक प्रयोग को दर्शाता है। जमानत देने से मुकदमे पर असर पड़ेगा। साथ ही, गवाहों को प्रभावित किये जाने की भी आशंका है।"

एक चुनाव में दो बार मतदान करने का सबूत दें आरोप लगाने वाले : चुनाव आयोग

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

चुनाव आयोग चाहता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास किसी चुनाव में एक ही व्यक्ति द्वारा दो बार वोट देने के सबूत हो तो उसे बात को तथ्यों के साथ बाकायदा सामने लाना चाहिए ताकि उसे पर कार्रवाई की जा सके।

चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने कहा, "एक व्यक्ति एक वोट' का कानून 1951-1952 में भारत के पहले चुनाव से ही लागू है। अगर किसी के पास किसी भी चुनाव में किसी व्यक्ति द्वारा दो बार मतदान करने का कोई सबूत है, तो उसे बिना किसी सबूत के भारत के सभी मतदाताओं को 'चोर' बताने के बजाय, लिखित हलफनामे के साथ चुनाव आयोग के साथ साझा किया जाना चाहिए।"

अधिकारी ने कहा, "हमारे मतदाताओं के लिए 'वोट चोर' जैसे गंदे शब्दों का इश्तेमाल करके एक झूठी कहानी गढ़ने की कोशिश न केवल करोड़ों भारतीय मतदाताओं पर सीधा हमला है, बल्कि लाखों चुनाव कर्मचारियों की ईमानदारी पर भी हमला है।"

उल्लेखनीय है की कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में विपक्षी गठबंधन आयोग पर मतदाता सूचियां में

गड़बड़ी करने और वोट की तथाकथित चोरी करवाने के आरोप लग रहा है।

आयोग आधिकारिक रूप से बार-बार कह रहा है कि मतदाता सूची से किसी भी मतदाता का नाम जोड़ने या काटने की एक स्पष्ट कानूनी व्यवस्था और प्रक्रिया है। किसी को यदि किसी भी सूची में किसी नाम पर आपत्ति है या कोई चूक दिखती है तो वह निर्धारित प्रक्रिया अपना कर संशोधन कर सकता है।

मथुरा डीएम के पूर्व ओएसडी का पुत्र फर्जी गोल्ड कागजातो से लाखों रुपए का लोन कराने पर गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. मथुरा ✷

जिलाधिकारी मथुरा के ओएसडी रहे ओपी वर्मा के पुत्र को कोतवाली पुलिस ने नकली गोल्ड का फर्जी असली गोल्ड टंच प्रमाण पत्र तैयार कर लाखों रुपए का लोन करने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा है। गिरफ्तार हेमेंद्र के खिलाफ अलग अलग तीन मुक़दमे पंजीकृत थे। उसको आज न्यायालय में पेश किया गया।

थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा हेमेन्द्र प्रकाश वर्मा पुत्र ओम प्रकाश वर्मा निवासी देव ज्वेलर्स होली गेट थाना कोतवाली मथुरा स्थाई पता हीरा मार्किट सेठवाड़ा होली गेट थाना कोतवाली गिरफ्तार किया गया है ।

बताया जाता है अभियुक्त हेमेंद्र के

विरूद्ध थाना कोतवाली पर दिनांक 20 दिसम्बर 2021 को रामवंत सिंह ढीढसा (रीजनल मैनेजर) पुत्र सरदार सिंह निवासी क्षेत्रीय कार्यालय 5 पदमपुरी कालोनी, कृष्णम टावर सौंख रोड, थाना कोतवाली द्वारा धारा 420,467,468,471,411,120बी भादवि पंजीकृत कराया गया था व दिनांक 26 मार्च 2022 को श्रीमती संध्या शर्मा शाखा प्रबन्धक भारतीय स्टेट बैंक पीबीबी शाखा डेम्पियर नगर थाना कोतवाली द्वारा धारा 420,467,468,471,120बी भादवि पंजीकृत कराया था व दिनांक 26 मार्च 2022 को अमित गर्ग तत्कालीन शाखा प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक थाना कोतवाली द्वारा धारा 420,467,468,471,411, 120बी भादवि पंजीकृत कराया था । उपरोक्त सभी अभियोग में अभियुक्त हेमेंद्र वांछित था ।

गिरफ्तार करने वाली टीम में प्र.नि. देवपाल सिंह पुण्डीर उ.नि. माँगेराम थाना कोतवाली सनोज शर्मा है.का. अभिषेक कुमार शामिल रहे।

पुलिस, अग्निशमन, गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा के 1090 कर्मियों को वीरता एवं सेवा पदक

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुलिस, अग्निशमन, गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा तथा सुधार सेवाओं के कुल 1090 कर्मियों को राष्ट्रपति के वीरता और सेवा पदक से सम्मानित किया गया है।

गृह मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि 233 कर्मियों को राष्ट्रपति के वीरता पदक, 99 को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक और 758 कर्मियों को सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। कुल 233 राष्ट्रपति वीरता पदकों में से 226 पुलिसकर्मियों को, छह अग्निशमन सेवा कर्मियों को एक सैन्य एवं अर्धसैनिक बल कर्मियों को दिये गये हैं।

राष्ट्रपति का वीरता पदक जीवन और संपत्ति की रक्षा करने, अपराध रोकने या अपराधियों को गिरफ्तार करने में किए गए असाधारण वीरतापूर्ण कार्य और वीरता के विशिष्ट कार्य के आधार पर प्रदान किए जाते हैं। इसमें संबंधित अधिकारी के दायित्वों और कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए जोखिम का आकलन किया जाता है।

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं : आमिर खान

वेबवार्ता. मुंबई। बॉलीवुड स्टार और फिल्मकार आमिर खान का कहना है कि वह इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) 2025 का हिस्सा बनकर बेहद खुश हैं।इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2025 की शुरुआत भव्य प्रेस कॉन्फ्रेंस के साथ हुई, जिसमें बॉलीवुड के आमिर खान ने अपने इस साल के आईएफएफएम का हिस्सा बनने को लेकर उत्साह जताया। इस मौके पर आमिर खान के साथ वीर दास, तिलोत्तमा शोम, जिम सर्भ, अदिति राव हैदरी, जयदीप अहलावत, जाने-माने फिल्ममकार शूजीत सरकार, अश्विनी अय्यर तिवारी, आर.एस. प्रसन्ना (निर्देशक सितारे ज़मीन पर), गायिका लिसा मिश्रा और मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा मौजूद थे। इसके अलावा बख्शो बॉन्डी फिल्म की टैलेंटेड डायरेक्टर तनुश्री दास और उनकी टीम के कलाकार भी मौजूद रहे, क्योंकि यह फिल्म फेस्टिवल की ओपनिंग नाइट फिल्म के तौर पर पेश की जा रही है।

बसपा से निकाले गए पूर्व मंडल प्रभारी धनीराम सिंह

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। बसपा हाई कमान ने बहुजन समाज पार्टी के पूर्व मंडल प्रभारी मुरादाबाद एवं दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री धनीराम सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने एवं अनुशासनहीनता के चलते पार्टी से निष्कासित कर दिया है। बसपा के जिला कार्यालय ने बताया कि धनीराम सिंह को उनकी कार्यशैली को लेकर कई बार चेतावनी दी गई। लेकिन उनके व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया ।इसके बाद पार्टी और मूवमेंट के हित में उन्हें बीएसपी से बाहर करने का निर्णय लिया गया। जिला कार्यालय बिजनौर ने अपने बयान में स्पष्ट कहा है कि पार्टी अनुशासन और एकता को सर्वोपरि मानती है। इसी के चलते धनीराम सिंह निष्कासन की कार्यवाही की गई है। धनीराम सिंह के निष्कासन से उनके समर्थकों में मायूसी छाई है।

झालू में ईमानदारी की मिसाल, युवक ने सड़क पर मिले 6500 रुपये लौटाए

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷। समाज में ईमानदारी आज भी जिंदा है, इसका प्रमाण पेश किया है ग्राम मुकरन्दपुर निवासी प्रभात पुत्र राजपाल ने। 25 जुलाई को प्रभात को सड़क पर 6500 रुपये मिले। उन्होंने बिना देर किए यह रकम पुलिस चौकी में जमा करा दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रुपये के असली मालिक, ग्राम चौकपुरी निवासी सचिन कुमार पुत्र विजय सिंह, को रकम वापस लौटा दी। इस नेक कार्य के लिए पुलिस ने प्रभात की सराहना की और उनके ईमानदार स्वभाव को प्रेरणादायक बताया। यह घटना साबित करती है कि ईमानदारी और निष्ठा जैसे गुण न केवल व्यक्ति की प्रतिष्ठा बढ़ाते हैं, बल्कि समाज में आपसी विश्वास और सद्भाव भी मजबूत करते हैं।

नगर पालिका नगीना द्वारा तिरंगा रैली का आयोजन किया गया

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के अंतर्गत नगर पालिका द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली नगर पालिका कार्यालय से प्रारंभ होकर स्थित मौहल्लाअंबेडकर तक निकाली गई। रैली में नगर पालिका कार्यालय स्टाफ, स्वच्छ भारत मिशन टीम के सदस्य, सफाई कर्मचारी शामिल हुए। रैली के माध्यम से नगरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। स्वच्छ भारत मिशन टीम द्वारा घर-घर कूड़ा संग्रहण, होम कंपोस्टिंग, स्रोत पर कूड़े की छटाई एवं मेटेरियल रिकवरी फैसिलिटी की जानकारी दी गई। इस दौरान मोहम्मद तसलीम मोहम्मद साकिर विनोद कुमार दिनेश कुमार मोहम्मदअसलम , मनोज कुमार रोहित कुमार नगर पालिका कर्मचारी व नगर पालिका नगीना के सभासद उपस्थित रहे।

गंगा बैराज से आज प्रारंभ हो सकता है बसो का संचालन

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। जिला अध्यक्ष राजकुमार गोयल जी के नेतृत्व में व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान का एक प्रतिनिधि मंडल उ प्र राज्य सड़क परिवहन निगम बिजनोर के ए आर एम से मिला। गंगा बैराज का पुल पर वाहनो का आवागमन बंद होने से हो रही परेशानी को देखते हुए बिजनोर बस स्टैंड से बैराज तक बस चलाने का अनुरोध किया। जिसकी उन्होंने स्वकृति प्रदान करते हुए कहा कि कल से हर आधे घंटे के अंतराल पर बसो का संचालन शुरु कर दिया जायेगा ।जिससे मेरठऔर मुज़फर नगर जाने वालो को कुछ राहत मिलने की संभावना है। प्रतिनिधि मंडल में जिला अध्यक्ष राजकुमार गोयल, जिला महा मंत्री खगेश कुमार शर्मा, जिला उपाध्यक्ष संजीव चौधरी, जिला संगठन मंत्री प्रदीप अग्रवाल, नगर संरक्षक रामपाल सिंह अहलावत, नगर संगठन मंत्री विकास देव शर्मा जिला सह कोषाध्यक्ष अरविंद ठाकुर ,जिला मंत्री संजू शर्मा रवि चड्डा ,जिला मंत्री अंकित गोयल आदि उपस्थित रहे।

घर से एक लाख की नकदी और आभूषण चोरी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की गुलाब वाटिका कॉलोनी में चोरों ने शनिवार रात एक घर से एक लाख की नकदी, सोने चांदी के आभूषण व दो मोबाइल चोरी कर लिये। पीड़ति को सुबह जाग होने पर चोरी का पता चला। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। गुलाब वाटिका कॉलोनी निवासी विनोद कुमार दिल्ली में नौकरी करते है। उन्होंने बताया कि शनिवार रात वह खाना खाने के बाद परिवार समेत सो गये थे। देर रात छत के राश्ते घर में घुसे चोरों ने कमरे की अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे एक लाख रुपये, कान के कुंडल, अंगूठी, चेन चूड़ी, कंगन व गले का सेट और दो मोबाइल चोरी कर लिये।

गाजियाबाद शहर होगा जगमग, 40 हजार नई स्ट्रीट लाइटें लगेंगी, डॉर्क स्पॉट्स की पहचान

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद शहर की प्रकाश व्यवस्था में सुधार के लिए 40 हजार नई स्ट्रीट लाइट लगाई जाएंगी। निगम का प्रकाश विभाग राज्य स्मार्ट सिटी योजना में इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बना रहा है। नगर निगम क्षेत्र में पांच जोन हैं। इनमें सिटी जोन, कविनगर, मोहननगर, वसुंधरा और विजयनगर है। इन जोन में करीब 60 हजार स्ट्रीट लाइट हैं। इसके बावजूद पार्षद और स्थानीय लोग निगम से प्रकाश व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं। पार्षद आए दिन लाइट खराब

होने की शिकायत कर रहे हैं।

स्ट्रीट लाइट बंद होने का मामला बोर्ड बैठक में कई बार उठ चुका है। इसे लेकर काफी हंगामा हुआ था। इसमें सुधार के लिए प्रकाश विभाग ने योजना तैयार की है। राज्य स्मार्ट सिटी के तहत निगम के पांचों जोन में करीब 40 हजार नई लाइट लगाई जाएंगी। इसकी डीपीआर तैयार हो गई है।

इसे मंजूरी के लिए शासन को भेजा जाएगा। इसके अलावा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक पांचों जोन में एक सर्वे करा रहे हैं। सर्वे में उन लाइटों को चिन्हित किया जा रहा है, जिनकी मियाद पूरी हो गई। पुरानी लाइटों को हटवाकर नई लगवाई जाएंगी।

अंधेरे वाले स्थानों को चिन्हित कर लिया गया है। बता दें कि अंधेरे वाले स्थानों पर लूटपाट और छेड़छाड़ की कई घटनाएं हो चुकी हैं। 40 हजार नई लाइट लगने के बाद प्रकाश व्यवस्था में सुधार होने के अलावा इन स्थानों पर वारदात में भी कमी आने की संभावना है।

निगम ने साढ़े तीन साल पहले सोडियम लाइटों को बदलकर एलईडी लगाई थी। सिटी जोन में 9971, कविनगर में 12845, मोहन नगर में 10082, वसुंधरा जोन में 10408 और विजय नगर में 6908 लाइट हैं। बारिश के बाद काफी लाइट खराब हो गई हैं। पार्षद और स्थानीय लोग नई लाइट लगवाने की मांग कर रहे हैं।

विक्रमादित्य सिंह मलिक, नगर आयुक्त, नई स्ट्रीट लाइट लगाने के

ग्रेटर नोएडा में बकायेदार बिल्डरों को दे दिए प्लॉट, कैग रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में बिल्डरों को ग्रुप हाउसिंग भूखंड के आवंटन में कई गड़बड़ियां सामने आई हैं। इसका खुलासा नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) रिपोर्ट में हुआ है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने वर्ष 2005-06 से 2014-15 के बीच कई डिफाल्टर बिल्डर को भूखंड आवंटित कर दिए। रिपोर्ट के मुताबिक, इस अवधि में प्राधिकरण ने बिल्डरों को ग्रुप हाउसिंग परियोजना के लिए कुल 94 भूखंड दिए गए थे, जिन्हें बाद में बांटकर 186 किया गया। एकड़ जमीन पर फैले थे, लेकिन अप्रैल 2021 तक इनमें से केवल 27 परियोजनाएं ही पूरी हो सकीं। बाकी 95 परियोजनाओं में आंशिक काम भी पूरा नहीं हो पाया, जिससे हजारों फ्लैट खरीदारों को 10 साल तक इंतजार करना पड़ा। इस श्रेणी में 151 बिल्डर आवंटियों पर प्राधिकरण का कुल 10,732 करोड़ बकाया था। यह रकम 81 फीसदी आवंटियों पर बकाया थी, इनमें से 66 मामलों में 7100 करोड़ रुपये तीन साल से ज्यादा समय तक बकाया रहे। काफी बकाया राशि इसलिए बढ़ी, क्योंकि पात्र ना होने वाले बिल्डरों को भी भूखंड दिए गए, इनसे भुगतान भी कम लिया गया व बकाया होने पर भी प्लॉट पर मॉर्गेज (गिरवी) की अनुमति दी गई।

मथुरा में नगर निगम की तिरंगा वाईक रैली ने मचाई धूम, ब्रजवासी देशभक्ति में हुए सराबोर

✷ एनसीआर टुडे. मथुरा ✷

"हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता" अभियान के अंतर्गत बृहस्पतिवार को महानगर में भव्य तिरंगा वाईक रैली निकाली गई। इस दौरान आध्यात्मिक नगरी मथुरा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के रंग में सराबोर नजर आई। विभिन्न मार्गो पर देश प्रेम का संदेश देते हुए बाईक सवार दिखाई दिए।

रैली का शुभारंभ महापौर विनोद अग्रवाल, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं नगर आयुक्त जग प्रवेश द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। रैली भूतेश्वर नगर निगम कार्यालय से शुरु होकर भूतेश्वर तिराहा, डीग गेट,भरतपुर गेट, होली गेट, पुराना बस स्टैंड होकर टैंक चौराहा पहुंची। यहाँ जयकारों के बीच रैली का समापन हुआ।

इस दौरान जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस का अवसर केवल उत्सव का दिन नहीं बल्कि राष्ट्रहित के लिए संकल्प लेने का दिन है। स्वच्छता और नागरिक जिम्मेदारी हमारी आदत बननी चाहिए। हमें गर्व है कि मथुरा-वृंदावन देशभक्ति और स्वच्छता दोनों में अग्रणी है। इस रैली का संदेश जन्माष्टमी पर्व के दौरान भी नगरवासियों तक पहुँचेगा जिससे पूरा शहर स्वच्छ और आकर्षक रहेगा।

महापौर विनोद अग्रवाल ने कहा कि तिरंगा हमारी राष्ट्रीय पहचान, बलिदान और एकता का प्रतीक है। आज जब पूरा नगर तिरंगे के रंगों में सराबोर है। यह हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता केवल एक अधिकार नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी भी है कि अपने नगर, अपने पर्यावरण और अपने देश को स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित रखना है। उन्होंने कहा कि

स्वच्छता केवल सफाई कर्मियों का काम नहीं, यह हर नागरिक का कर्तव्य है जैसे हम अपने घर को साफ रखते हैं, वैसे ही अपने शहर को भी साफ रखना हमारा दायित्व है। जन्माष्टमी जैसे महापर्व पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करेंगे। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने कहा कि "तिरंगा वाइक रैली का उद्देश्य न केवल देशप्रेम की भावना जगाना है बल्कि नगरवासियों को स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक करना भी है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के मद्देनज़र सभी से अपील हैं कि प्लास्टिक का प्रयोग न करें, धार्मिक स्थलों व गलियों में साफ-सफाई बनाए रखें, और बाहर से आने वाले आगंतुकों का स्वागत स्वच्छ व सुंदर वातावरण में करें। मथुरा-वृंदावन इस पावन पर्व पर दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है और देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को एक अद्वितीय अनुभव मिलेगा। यह तभी संभव है जब हम सभी मिलकर शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक-मुक्त बनाएँ।

इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीणा, उप जिलाधिकारी सदर अभिनव जैन, अपर जिलाधिकारी अमरेंद्र सिंह, अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोपाल बाबू गर्ग, पार्षदगण, स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के सदस्य एवं भारी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

घर बैठे कमाई का झांसा दे महिला से पौने 4 लाख ठगे

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

साइबर अपराधियों ने घर बैठे कमाई का झांसा देकर महिला से पौने चार लाख रुपये ठग लिए। रकम वापस मांगने पर जालसाजों ने संपर्क तोड़ दिया तो पीड़िता को ठगी का पता चला। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गोविंदपुरम के केशवकुंज में रहने वाली आरती झा का कहना है टेलीग्राम पर एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें मैसेज भेजा और ऑनलाइन रिव्यू देने के बदले रुपये कमाने की बात कही। महिला का कहना है कि जालसाज ने उन्हें झांसे में लेकर एक बार में 1.70 लाख रुपये, दूसरी बार में 30 हजार रुपये तथा तीसरी बार में 50 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। यह रकम उनसे 23 और 24 जुलाई 2025 को उनके कोटक महिंद्रा बैंक खाते से रकम ट्रांसफर कराई गई। उन्होंने अपनी रकम वापस मांगी तो जालसाजों लने संपर्क तोड़ दिया।

इसके बाद उन्हें ठगी का पता चला, जिसके बाद कविनगर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। एसीपी कविनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि शिकायत के आधार पर 13 अगश्त को केस दर्ज कर लिया गया है। बैंक खातों और मोबाइल नंबरों के आधार पर जालसाजों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

अखिलेश कुमार हितैषी एडवोकेट बने बहुजन समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

बहुजन समाज पार्टी के मुरादाबाद मंडल जोन के जिला अध्यक्षो को नयी तैनाती दी गई है।

इस क्रम में जनपद बिजनोर में बसपा के खोए जनाधार को फिर से नई ऊर्जा के साथ शीर्ष पर पहुंचाने के लिए कोतवाली देहात के बेहद मिलनसार, व्यवहार कुशल एवं पार्टी के प्रति निष्ठावान, सुशिक्षित, युवाओ के हृदय सम्राट एडवोकेट अखिलेश कुमार हितैषी को बिजनौर की जिम्मेदारी सोपी गई है। बताते चले कि अखिलेश कुमार हितैषी पार्टी में काफी समय से निस्वार्थ भाव से तन मन धन से लगे हुए थे। पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा एवं ईमानदारी का उन्हें बसपा हाई कमान ने इनाम देते हुए जनपद बिजनौर का बसपा जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है।

हितैषी की नियुक्ति के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने और हाई कमान ने आशा व्यक्त की है कि जनपद में पार्टी को उसका खोया जनाधार फिर से दिलाने में अखिलेश कुमार हितैषी एडवोकेट सफल होंगे। अखिलेश कुमार हितैषी को सोपी गई इस नई जिम्मेदारी का जनपद के बसपाइयों ने भी खुले मन से स्वागत किया है।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओ ने भी हाई कमांन के निर्णय का स्वागत किया है। इसी कड़ी में नहटोर क्षेत्र के ग्राम खंड साल निवासी वरिष्ठ बसपा नेता लखबीर सिंह को नहटोर विधानसभा प्रभारी की जिम्मेदारी सोपीगई है।

जिससे लखबीर सिंह एवं अखिलेश कुमार हितैषी के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। अधिकांश बसपा के वरिष्ठ नेताओं ने अखिलेश कुमार हितैषी में पार्टी के खोए हुए जन आधार को फिर से प्राप्त करने की बात कही है।

बताते चले कि अखिलेश कुमार हितैषी बेहद मिलनसार व्यवहार कुशल तथा गरीबों मजलूमों के सच्चे हिताची बताए जाते हैं। यही कारण है कि जनपद भर में दलित समाज में भी अखिलेश कुमार हितैषी अपनी मजबूत पकड़ रखते हैं। उनके योगदान से जनपद में बसपा को निश्चित तौर पर मजबूती मिलेगी। इस कड़वे सच को भी नहीं नकारा जा सकता।

रोजगार सेवकों ने एग्री स्टेक डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्यों का किया बहिष्कार

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✷

गुरुवार को ब्लॉक हल्दौर के ग्राम रोजगार सेवकों ने एग्री स्टेक डिजिटल फसल सर्वे कार्यों का बहिष्कार कर दिया है। रोजगार सेवकों ने अपनी मांगों

को लेकर प्रार्थना पत्र खंड विकास अधिकारी हल्दौर को दिया है, ।जिसमें उन्होंने कहा है कि लेखपालों के स्थान पर प्राइवेट सर्वेयरों द्वारा संपन्न कराए जा रहे कार्यों में उनकी शर्तें नहीं मानी जा रही हैं।

रोजगार सेवकों ने मांग की है कि फसल कटाई सर्वेक्षण के लिए उन्हें अच्छी गुणवत्ता वाले मोबाइल फोन उपलब्ध कराए जाएं। इसके अलावा, जिस विभाग का कार्य हो, उसे उनके जॉब चार्ट में जोड़ा जाए और जिस भी विभाग का कार्य उनसे लिया जाए, उसका पूर्ण श्रेय उन्हें दिया जाए।

रोजगार सेवकों का कहना है कि इस समय जंगल में गुलदारों का भय बना हुआ है। जिसके चलते रोजगार सेवक इस कार्य को करने में असमर्थ है ।यह कार्य रोजगार सेवकों के क्षेत्र में नहीं आता है ।यदि जबरन यह कार्य रोजगार सेवकों द्वारा कर जाता है।

तब रोजगार सेवक आंदोलन करने को बाध्य होंगे।जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाती हैं, वे फसल सर्वेक्षण का कार्य नहीं करेंगे। इस बहिष्कार के कारण क्षेत्र में फसल सर्वेक्षण के कार्य में देरी हो सकती है, जिससे किसानों को परेशानी हो सकती है।

मांगें : रोजगार सेवकों का सामूहिक बीमा कराया जाए
जंगली जानवरों गुलदार सांप बिच्छू आदि से सुरक्षा के इंतजाम कराया जाए।
- एग्री स्टॉक डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले मोबाइल फोन उपलब्ध कराए जाएं।
- जिस विभाग का कार्य हो, उसे हमारे जॉब चार्ट में में जोड़ा जाए।
- जिस भी विभाग का कार्य उनसे लिया जाए, उसका पूर्ण श्रेय उन्हें दिया जाए।

रोजगार सेवकों का कहना है कि वे अपनी मांगों को लेकर संघर्ष करने को तैयार हैं और जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाती हैं, वे फसल सर्वेक्षण का कार्य नहीं करेंगे।

इस अवसर पर अरुण कुमार, संजीत रानी, उमराव सिंह, प्रेमपाल सिंह,संजीव कुमार, प्रदीप कुमार ,अंजू, ब्लॉक अध्यक्ष जवबार अहमद, अनिल कुमार आदि रोजगार सेवक उपस्थित रहे।

एसडीएफसी ने किया 'बरनी से आज़ादी' अभियान के पाँचवें संस्करण के शुभारंभ

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷

भारत के अग्रणी म्यूचुअल फंड हाउसों में से एक, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड की निवेश प्रबंधक, एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने आज स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर BarniSeAzadi अभियान के पाँचवें संस्करण के शुभारंभ की घोषणा की।

यह प्रमुख पहल महिलाओं को पारंपरिक बचत प्रथाओं से आगे बढ़ने और निवेश की परिवर्तनकारी शक्ति को समझने के लिए प्रोत्साहित करके उनकी वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देती है।इस वर्ष के अभियान के केंद्र में भावनात्मक रूप से प्रभावशाली फिल्म 'सपने करो आज़ाद' है, जो एक युवती की रोमांचक यात्रा को दर्शाती है।

जो अपनी माँ को परिवार की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए चुपके से एक जार में पैसे जमा करते हुए देखती हुई बड़ी हुई है। त्याग और मौन दृढ़ संकल्प की इन यादों से प्रेरित होकर, वह अपनी माँ के बुटीक शुरू करने के अधूरे सपने को साकार करने के लिए व्यवस्थित निवेश योजनाओं (एसआईपी) के माध्यम से निवेश करके एक अलग राश्ता चुनती है। कहानी इस बात पर ज़ोर देती है कि सच्ची आज़ादी केवल पैसे बचाने से नहीं, बल्कि रणनीतिक निवेश के माध्यम से सपनों को साकार करने से आती है।अभियान के शुभारंभ पर बोलते हुए, एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एमडी और सीईओ, श्री नवनीत मुनोत ने कहा, 'पिछले चार वर्षों में, 'बरनी से आज़ादी' एक अभियान से एक सामाजिक आंदोलन में विकसित हुआ है, जो पारंपरिक बचत की आदतों से

मुक्ति का प्रतीक है, जो अक्सर धन सृजन को सीमित करती हैं।

आज़ादी के अमृत महोत्सव के वर्ष में शुरू किए गए इस अभियान में, हमने बरनी (पारंपरिक भंडारण जार) को बदलाव के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में फिर से परिभाषित किया है, जो भारत भर की महिलाओं को सूचित, दीर्घकालिक निवेश के माध्यम से वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि सच्ची वित्तीय स्वतंत्रता तब मिलती है जब आपका पैसा आपकी तरह ही कड़ी मेहनत करता है।'अभियान की पहुँच बढ़ाने के लिए और 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड कई स्थानों पर 79 नुक्कड़ नाटक (स्ट्रीट थिएटर) प्रस्तुतियाँ आयोजित करेगा, जिससे अभियान का संदेश सीधे देश भर के समुदायों तक पहुँचेगा।'

बरनी से आज़ादी' की गति को आगे बढ़ाते हुए, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड निवेश परिदृश्य के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए समर्पित है जहाँ हर महिला सीख सके, आगे बढ़ सके और समृद्ध हो सके।

अभियान वीडियोः https://www.youtube.com/watch?v=1WC-NYnzjAVk निवेशक शिक्षा एवं जागरूकता पहलम्यूचुअल फंड में निवेश करने के लिए एक बार की 'अपने ग्राहक को जानें' (KYC) प्रक्रिया के बारे में अधिक जानने के लिए https://www.hdfcfund.com/information/key-know-how पर जाएँ। निवेशकों को केवल पंजीकृत म्यूचुअल फंडों से ही लेन-देन करना चाहिए, जिनका विवरण सेबी की वेबसाइट (www.sebi.gov.in/intermediaries.html) पर सत्यापित किया जा सकता है। किसी भी प्रश्न, शिकायत और निवारण के लिए, निवेशक एएमसी और/या निवेशक संबंध अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, निवेशक सीधे एएमसी के पास भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। यदि वे एएमसी द्वारा दिए गए समाधानों से संतुष्ट नहीं हैं, तो वे https://scores.gov.in पर SCORES पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकते हैं। SCORES पोर्टल निवेशकों को सेबी के पास ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने और बाद में उसकी स्थिति देखने की सुविधा प्रदान करता है।

यदि निवेशक सीधे एएमसी के पास या स्कोर्स पोर्टल के माध्यम से दर्ज की गई शिकायतों के समाधान से संतुष्ट नहीं हैं, तो वे https://smartodr.in/login पर स्मार्ट ओडीआर पर कोई भी शिकायत दर्ज कर सकते हैं।एचडीएफसी एएमसी के बारे में:एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (एचडीएफसी एएमसी), देश के सबसे बड़े म्यूचुअल फंडों में से एक, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड का एक निवेश प्रबंधक है। इसे कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत 10 दिसंबर 1999 को निगमित किया गया था।

3 जुलाई 2000 को सेबी द्वारा एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के लिए एक एसेट मैनेजमेंट कंपनी के रूप में कार्य करने के लिए अनुमोदित किया गया था। इसके पास पीएमएस और एआईएफ जैसे अन्य सेबी लाइसेंस भी हैं।

एचडीएफसी एएमसी इक्विटी और फिक्स्ड इनकम/अन्य में एक विविध परिसंपत्ति वर्ग मिश्रण का प्रबंधन करती है। इसके पास बैंकों, स्वतंत्र वित्तीय सलाहकारों और राष्ट्रीय वितरकों से युक्त एक विविध वितरण नेटवर्क के साथ-साथ शाखाओं का एक देशव्यापी नेटवर्क भी है।

कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष समेत 150 के खिलाफ रिपोर्ट

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

लिंक रोड थाने में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष समेत 150 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। साहिबाबाद मंडी में 11 अगश्त को फायरिंग से पहले भड़काऊ भाषण देने के आरोप में मंडी सचिव की पत्नी ने शिकायत दी थी।

साहिबाबाद नवीन फल एवं सब्जी मंडी में 11 अगश्त को आढ़तियों की बैठक में तोड़फोड़ के बाद हिस्ट्रीशीटर बदमाश हरीश चौधरी ने गोलीबारी कर दी थी। इसमें पल्लेदार सचिन घायल हुआ था। पुलिस ने हरीश और उसके बेटे करन समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया था। विवाद करन को किसानों के चबूतरे पर कब्जा दिलाने का था, जिसका बाकी लोग विरोध कर रहे थे।

फायरिंग के वक्त कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष बिजेंद्र यादव मंच से भाषण दे रहे थे। मंडी सचिव सुनील कुमार शर्मा की पत्नी ममता शर्मा ने डीजीपी कार्यालय में शिकायत दी थी और गुरुवार को थाना लिंकरोड में बिजेंद्र यादव समेत 150 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस को बताया कि पति ने शासन के निर्देश पर मंडी में सालों पुराने अतिक्रमण को हटवाया था।

उनके इस अभियान से नाराज माफिया बिजेंद्र यादव ने बैठक कर व्यापारियों को भड़काया। उनके व पति के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की और जान-माल की धमकी दी। इसका वीडियो भी उन्होंने देखा व सुना है। ममता का कहना है कि खुद को सपा व कांग्रेस का आदमी बताने वाले बिजेंद्र यादव व अन्य लोगों से उनका परिवार भयभीत है। डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील का कहना है कि तहरीर मिलने पर केस दर्ज कर लिया है। वायरल वीडियो की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ईटीपी संयंत्र न होने पर 37 फैक्टरियों के काटे विद्युत कनेक्शन

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। दिल्ली सीमा के नजदीक लोनी इलाके में एनजीटी के निर्देश पर समिति ने प्रेम नगर औद्योगिक क्षेत्र में संचालित डाईंग फैक्टरियों का निरीक्षण कर बिना ईटीपी संयंत्र के संचालित की जा रही 37 फैक्टरियों के विद्युत कनेक्शन काट दिये। एनजीटी ने जिलाधिकारी को डाईंग फैक्टरियों का गंदा पानी नाले में न गिरने देने और फैक्टरियों की नियमित जांच के आदेश दिए है। रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन, प्रेम नगर ने वर्ष 2024 में एनजीटी में वाद दायर कराया था। इसमें प्रेम नगर औद्योगिक क्षेत्र में संचालित डाईंग फैक्टरियों से निकलने वाला केमिकल युक्त गंदे पानी व कचरे से वातावरण के प्रदूषित होने की शिकायत की थी। डाईंग फैक्टरी संचालकों ने पानी शोधन के लिए ईटीपी संयंत्र नहीं लगाए थे। जिसके चलते भूजल की गुणवत्ता प्रभावित खराब हो गई है। एनजीटी ने 24 अक्तूबर को संयुक्त समिति का गठन कर फैक्टरियों का निरीक्षण कर सत्यता जांचने के आदेश दिये थे। समिति के सदस्यों ने 286 फैक्टरियों का निरीक्षण कर अवैध रूप से संचालित की जा रही 37 फैक्टरियों के विद्युत कनेक्शन काट दिये। निरीक्षण के दौरान पता चला कि 50 रंगाई की फैक्टरियों में से 34 फैक्टरी संचालकों ने संचालन की अनुमति भी नहीं ली थी। भूजल के नमूने मानकों के अनुरूप नहीं मिले थे। एनजीटी ने उत्तर प्रदेश पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड व जिलाधिकारी गाजियाबाद को प्रदूषण फैलाने वाली फैक्टरियों का संचालन बंद करने और नियमित जांच के आदेश दिए हैं।

मंडी में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। साहिबाबाद नवीन फल एवं सब्जी मंडी में बीते दिनों खुलेआम फायरिंग के बाद सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं मंडी परिसर में चार नए कैमरे लगा पाए गए हैं। साथ ही पुराने कैमरे को भी दुरुश्त कराया गया है। मंडी में 11 अगश्त को बैठक के दौरान ताबड़तोड़ फायरिंग में एक पल्लेदार घायल हो गया था। इसके बाद सही मंडी में सुरक्षा को लेकर सवाल उठ हो रहे थे। तभी से मंडी में पुलिस बल तैनात है। मंडी सचिव सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि कार्यालय में चार अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे और एक बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई गई है। इससे मंडी की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। हाई-मास्ट लाइटों पर वायरलेस कैमरे लगाने का प्रश्ताव तैयार किया जा रहा है। प्रवेश-निकास द्वार, पार्किंग, दुकानों के गलियारे और लोडिंग-अनलोडिंग जोन में भी कैमरे लगाए जाएंगे।

निगम दुकानों के बढ़े किराये के विरोध में मंत्री से मिले व्यापारी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। नगर निगम की दुकानों के बढ़े किराये के विरोध में व्यापारी लगातार संघर्ष कर रहे हैं। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने लखनऊ में विधायक संजीव शर्मा के साथ शहर विकास मंत्री एके शर्मा से मुलाकात की। उन्हें ज्ञापन सौंपते हुए 1702 दुकानों के बढ़ाए किराये को वापस लेने की मांग उठाई।

ऑटो गिरोह के बदमाशों ने गुमराह कर खाते से 40 हजार निकाले

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

इंदिरापुरम थानाक्षेत्र में ऑटो गिरोह के बदमाशों ने युवक को गुमराह कर उसके खाते से 40 हजार रुपये निकाल लिए। साथ ही बैग भी चोरी कर लिया। आठ अगश्त की घटना में पांच दिन बाद केस दर्ज किया गया है।

कासगंज के नंगला बेनी गांव के मूलनिवासी दिलीप कुमार नोएडा के गढ़ी चौखंडी में रहते हैं। वह नोएडा की ही एक कंपनी में काम करते हैं। दीपक ने पुलिस को बताया कि आठ अगश्त को उन्हें अपने गांव जाना था। एनएच 9 पर छिजारसी कट के पास वह स्टेशन जाने के लिए ऑटो का इंतजार कर रहे थे। रेलवे स्टेशन जाने के लिए ऑटो में बैठे। तीन लोग इसमें पहले से सवार थे। तीनों ने पुलिस चेकिंग का डर दिखाकर कहा कि पहले ही बता दो तुम्हारे पास कितने रुपये हैं।

बैलेंस चेक करने के दौरान उनका यूपीआई पिन देख लिया और फिर बातों में उलझाकर मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन करने के बाद खाते से 40 हजार रुपये निकाले।

इसके बाद उन्हें ऑटो से उतारकर फरार हो गए। ऑटो में उनका बैग भी रह गया, जिसमें 2800 रुपये, एटीएम कार्ड और आधार कार्ड रखा था। सीओ इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाश्तव ने बताया कि पूर्व में इस गिरोह के कुछ बदमाशों को गिरफ्तार किया गया था। केस दर्ज कर लिया है। फुटेज से पहचान कर इस मामले का भी खुलासा किया जाएगा।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क. वि., डी. आर. एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदायें आमंत्रित करते हैं।

1	**कार्य का नाम व स्थान :** 03 वर्ष की अवधि के लिए दिल्ली मंडल के टावर वैगनों का अनिवार्य सामग्री/पुर्जों की आपूर्ति और स्थापना तथा अनुसूचित रखरखाव सहित वार्षिक रखरखाव।
2	**अनुमानित लागत :** रु. 9,20,96,162.44/-
3	**बयाना राशि :** रु. 6,10,500/-
4	**ई-निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि :** 27.08.2025 (10.30 बजे) से 10.09.2025 (15.00 बजे तक)
5	**ई-निविदा समापन की अंतिम तथा ई-निविदा खुलने की तारीख और समय :** 10.09.2025 (15.00 बजे)
6	**निविदा छपाई की लागत :** 07041032
7	**वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है :** www.ireps.gov.in

सं.: 02A-क.वि.-नई दिल्ली-2025-26 दिनांक: 14.08.2025 **2497/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-निविदा (ई-प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में ई–निविदा आमंत्रण।

1	**कार्य का नाम :** सीनियर एडीईएन/एनडीएलएस के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/एनडीएलएस/स्टेशन के सेक्शन में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सर्कुलेशन क्षेत्र, पीजी और एजी साइड, स्टेशन साइडिंग, पौधों आदि में लैंडस्केपिंग और बागवानी कार्य की मरम्मत और रखरखाव, और एसएसई/डब्ल्यू/एएनवीटी के सेक्शन में आनंद विहार रेलवे टर्मिनल के मुख्य पहुंच मार्ग, कॉनकोर्स क्षेत्र और सबवे पहुंच मार्ग पर लैंडस्केपिंग और बागवानी कार्य की मरम्मत और रखरखाव का कार्य, एक वर्ष के लिए।
2	**कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 2,19,45,600.00 (रुपये दो करोड़ उन्नीस लाख पैंतालीस हज़ार छः सौ मात्र)
3	**बयाना राशि :** रु. 2,59,700/- (रुपये दो लाख उनसठ हज़ार सात सौ मात्र)
4	**निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु. 0.00
5	**निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय :** 05.09.2025 को 15:00 तक।
6	**वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है :** निविदा **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध।
7	**आवंटन :** 04-410-32

• ठेकेदारों को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

सं.: 128-W/280/ई-निविदा सूचना/26-2025-26/W-3 दिनांक: 13.08.2025 **2475/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कब्जे के विरोध पर पड़ोसियों ने की मारपीट, अपमानित भी आरोप किया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

महेंद्रा एनक्लेव में रहने वाले व्यक्तियों ने अवैध कब्जे के विरोध कर पड़ोसियों द्वारा घर में घुसकर मारपीट तथा छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। पीड़ित के मुताबिक आरोपियों ने जातिसूचक शब्दों से अपमानित भी किया।

पुलिस का कहना है कि एससी-एसटी ऐक्ट, मारपीट, धमकी तथा छेड़छाड़ का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। कविनगर थानाक्षेत्र के महेंद्रा एनक्लेव शास्त्रीनगर में रहने वाले व्यक्ति का कहना है कि वह वर्ष 2016 से अपने परिवार के साथ रह रहे हैं। भूतल पर उनके फ्लैट के सामने कॉमन एरिया पर पहले और दूसरे तल पर रहने वाले पड़ोसियों ने दबंगई से कब्जा किया हुआ है। उन्होंने जब-जब राश्ता और खिड़कियों के लिए जगह खाली करने को कहा, तब-तब आरोपियों ने उन्हें जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया और मारपीट की। एक बार मारपीट में उनके दाएं कान में गंभीर चोट भी आई, जिससे सुनने की क्षमता लगभग खत्म हो गई।

पीड़ित का कहना है कि 13 जुलाई 2025 की रात भी आरोपी पड़ोसी सुदेश चौधरी, प्रवेश चौधरी, विवेक चौधरी, रजत गुप्ता और रेशमा गुप्ता ने उनके घर का गेट पीटा और जबरन अंदर घुसकर मारपीट की। इतना ही नहीं, आरोपियों ने उनकी पत्नी को भी गालियां दी और अश्लील हरकत की गई। आरोपियों ने फ्लैट बेचकर न जाने पर पूरे परिवार को जिंदा जलाने की धमकी दी।

उन्होंने डायल-112 पर सूचना दी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिसके चलते आरोपियों को हौंसले बुलंद हो गए और 11 अगश्त को फ्लैट से बाहर बुलाकर उनके साथ सड़क पर मारपीट की। इस दौरान विवेक चौधरी ने उनकी बहन के साथ अभद्रता और छेड़छाड़ की।

मारपीट में उन्हें और उनके परिजनों को चोट आई। घटना के संबंध में पीड़ित ने कविनगर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई।

सीओ कविनगर भास्कर वर्मा का कहना है कि शिकायत के आधार पर पांच लोगों के खिलाफ एससी-एसटी ऐक्ट, मारपीट, धमकी तथा छेड़छाड़ का केस दर्ज कर लिया गया है। जांच कर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

स्व-तन्त्र में स्व का हनन

आजादी के लगभग आठ दशकों को हमने विविध संघर्षों में जिया है। भाषा, वर्ग, क्षेत्र, धर्म, नीति, दर्शन, भ्रष्टाचार, नागरिकता, वैमनस्यता, अस्पृश्यता, वैचारिकता, सृष्टिके उपहार, विविधता में एकता, वसुधैव कुटुंबकम का द्वंद हमारे स्वाधीनता की सफलता नहीं कही जा सकती। स्वयं शासित, संयमित जीवन मूल्यों से अनुप्राणित यह स्वाधीनता मानसिक उत्थान का घोतक था जो हैसियत प्रधान न्याय व्यवस्था का शिकार है।

मूल्य एक कल्पना है, जिसे भूख में भोजन और भय में आश्रय को महत्व को रेखांकित करता है। व्याध की भूख के लिए शिबि का बलिदान अब उपहास बन चुका है। लोकेषणा की भूख जरुरतमंदों के उदरपोषण का बाधक बन गया। पारितोष के प्रतिमान बदल गये। गांधी, लोहिया के धारणा के विरुद्ध विकास से वंचित वर्ग को निस्वार्थ सेवा से महिमा मंडित कर सामंतशाही का तोषण करने की नीति पर अमल होने लगा।

हाल ही में बाढ़ आपदा पीड़ितों के प्रति उत्तरप्रदेश के मंत्री निषाद ने मोक्ष की जो असंवेदनहीन तर्क प्रस्तुत किया उससे इनके मंशा जाहिर होती है। कमनुवादियों की तर्ज पर यह सुभाषित शीर्ष पर है कि पैसे से सुख नहीं खरीदा जा सकता'। यह सूक्ष्म हिंसा के साथ गरीबी का उपहास है। गरीब की मुस्कान को आदर्श बनाकर जब कोई अमीर कहता है कि 'खुशी साधनों में नहीं होती', तो वह वस्तुतः अपनी संपन्नता की नैतिक जवाबदेही से बचता है। तथ्य यह नहीं कि पैसा सब कुछ है या नहीं, बल्कि यह कि क्या किसी इंसान को सम्मानपूर्वक जीने के लिए जरूरी साधनों से वंचित रखना नैतिक है? दरअसल भौतिक समृद्धि की अपेक्षा को दुखों का कारण बताना समाधान के बनिस्पत संवेदनाओं को स्थगित करना है। यह उस असमानता को प्राकृतिक सिद्ध करने का षड़यंत्र है, जो एक वर्ग द्वारा निर्मित है। इस परिप्रेक्ष्य में जरूरतमंद की चेतना को इस तरह मंडित किया जाता है कि उनका संघर्ष दरअसल कोई दोष नहीं, जीवन की सुंदरता है। यही वह बिंदु है जहां दर्शन, शोषण में परिवर्तित हो जाता है।

देश का विकास तो घर से कर्तव्यस्थल तक की साहसिक यात्रा से सुरक्षित पहुंचने पर अभिव्यक्त की जा सकती है। इस चरम प्रतिमान के बावजूद सीवेजों टैंको, ध्वस्त निर्माण, कुपोषण, दुर्घटनाओं में दम तोड़नेवालों को समझना होगा कि रोटी, इलाज, शिक्षा, सुरक्षा न्याय और सम्मान के अधिकार के बिना 'सुख' का कोई भी दावा केवल एक भ्रम है, जिसे बार-बार इसलिए भी दोहराया जाता है, ताकि व्यवस्था बदलने का कोई स्वप्न जन्म ही न ले।

विश्व बैंक के अनुसार, हर साल लाखों लोग केवल इसीलिए मरते हैं, क्योंकि उन्हें समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं होतीं। यूनिसेफ की रपट बताती है कि जिन बच्चों को शिक्षा नहीं मिलती, वे सामाजिक गतिशीलता के दायरे से बाहर रह जाते हैं। अगर पैसा सुख नहीं देता, तो फिर अमीर वीडियो कांफ्रेंसिंग का विकल्प त्यागकर विदेश प्रवास के लिए लखदक जीवनशैली को प्राथमिकता क्यों देते हैं?

सत्ता परिवर्तन के साथ ही पुलिस तंत्र की तरह लोकतंत्र के मूल्य बदलने लगे है। प्रतिबंध और आपातकाल की दंश स्मृति के बावजूद असंवेदनहीन आचरण ने प्रभुता पाइ जाहि मद नहीं को चरितार्थ किया है। दासत्वमुक्ति के बावजूद यह अंग्रेजी व्यवस्था की मानसिक विकृति से मुक्त नहीं हो सका है। यांत्रिक व्यवस्था में चील की भूख से उत्पन्न मत्स्य न्याय ने जरूरतमंदों को शिकार बनाया है। किसी भी राष्ट्र की आर्थिक वृद्धि और उसकी सुरक्षा उसके साइबर स्पेस की सुरक्षा पर निर्भर करती है। इंटरनेट तकनीक बिना किसी नुकसान के नहीं आई है।

समस्त जानकारी के बावजूद नित नई खामियों के नाम पर आधारकार्ड में संशोधन का अनुचित व्यापार फलफूल रहा है। बिना किसी सुरक्षा मानदंडो के डिजिटल इंडिया ने एआई दिमाग से लोगों को लूटने की स्वतंत्रता दे दी है। मीडिया में प्रसारित सीबीआई, एनआईए, एनआईए, ईडी की कार्यवाही से भयाक्रांत आम व्यक्ति सहज ही लूट का शिकार हो रहा है। ऐसे में साइबर अपराध से सुरक्षा के प्रति आगाह करने की अपेक्षा सरकार को उसकी सतह में जाकर काम करना चाहिये, आम जनता पर नेट बैंकिंग के लिए दबाव बनाना उचित नहीं।

भारतीय राजनीति आज उत्तर-सत्य राजनीति की शिकार है। यह ऐसी प्रक्रिया है जहां व्यक्तिपरक भावनाओं और विश्वास के आगे जनोन्मुखी तथ्य गौण हो जाते हैं परिणामतः राजनेतागण भ्रामक दावों को तथ्यों के साथ प्रस्तुत कर सूचनाओं में फेरबदल करने में सफल होते है। ऐसी स्थिति में राजनीतिक दल अपनी दुर्भावनाओं पर पर्दा डालने के लिए ऐसी धारणा गढ़ते हैं जिससे जनता भावनात्मक तौर पर उनके हित से जुड़ती है। इसके प्रभाव से न्याय, नीति, धर्म, चरित्र छद्मभेष में किस प्रकार अपराध का मण्डन और पीड़ितों की उपेक्षा करते हैं इसकी बानगी समृद्ध अर्थव्यवस्था, कोरोना, नोटबंदी, विदेश नीति, मणिपुर हिंसा, आपरेशन सिंदूर, मतदान वंचित नागरिकता से महसूस की जा सकती है।

जिस पर आवरण डालने के लिए अरबों रुपयें के पैकेज से अवांछितो को सम्मानो और विदेश दौरों से उपकृत किया जाता। लेकिन इस नीति में पाकिस्तान को बल मिला और भारत अलग थलग पड़ गया। इसे संयोग ही कहा जायेगा कि अमरीका ने इसे खारिज करते हुए भारत-पाक अभियान का पर्दाफाश किया। अब वह समय आ गया है जब लोकतंत्र की गरिमा को बनाये रखने के अन्य विकल्पों पर चिंतन किया जाये।

!! विचार बदलो!!

विचार बदल लो जिंदगी बदल जायेंगी
खुद को निखारो जिंदगी निखर जायेंगी !
मत दो औरों को दोष तुम मेरे यारों
जिंदगी शिकायतों से भर जायेंगी !
मत करना किसी से कोई भी रेस
जिंदगी हार,जीत में बदल जायेंगी !
किसी से कोई उम्मीद कभी मत करना
जिंदगी आशा,निराशा संग बिखर जायेंगी!

मोह मत पालना किसी भी रिश्ते का
उसके जाते ही जिंदगी बिखर जायेंगी !
मत कमाना सिक्कों में दौलतें
अंत में दुआएं ही उधर जायेंगी !
सूरतें कम सीरतें निखार के तो देख
जिंदगी सच में तेरी सुधर जायेंगी!
कभी तो खुद पे भरोसा कर तू
देखना फ़िर जिंदगी शिखर पर जायेंगी !!

स्वतंत्रता का अधूरा आलाप

डॉ. प्रियंका सौरभ

15 अगश्त 1947 को हमने विदेशी शासन की बेड़ियों को तोड़ दिया था। तिरंगे की फहराती लहरों में वह रोमांच था, जो सदियों की गुलामी और अत्याचार के बाद जन्मा था। हर चेहरे पर एक ही उम्मीद थी-अब अपना देश अपनी मर्ज़ी से चलेगा, अब हर नागरिक को बराबरी का हक़ मिलेगा, अब हम अपने भविष्य के निर्माता होंगे। लेकिन आज़ादी के 78 साल बाद यह सवाल कचोटता है-क्या वह सपना पूरा हुआ?

आज हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं, हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है, विज्ञान और तकनीक में नए मुकाम हासिल हो रहे हैं। मेट्रो ट्रेन, डिजिटल पेमेंट, सैटेलाइट मिशन और वैश्विक मंच पर बढ़ता प्रभाव हमें गर्व से भर देता है। लेकिन इस चमक के पीछे एक सच छुपा है-हमारी आज़ादी अब भी अधूरी है। यह अधूरापन केवल गरीबी या बेरोज़गारी का नहीं, बल्कि सोच, व्यवस्था और व्यवहार में गहरे बैठी असमानताओं का है।

हमारे यहां लोकतंत्र का मतलब अक्सर सिर्फ़ चुनाव रह गया है। हर पाँच साल में वोट डालने को ही हम अपनी भागीदारी मान लेते हैं, लेकिन उसके बाद नेता और जनता के बीच एक अदृश्य दूरी बन जाती है।

जनता शिकायत करती है, सरकार सफ़ाई देती है, और इसी बहाने असली मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। आज़ादी का असली मतलब यह है कि सत्ता का केंद्र नागरिक हो, और उसकी आवाज़ सिर्फ़ चुनावी भाषणों में नहीं, नीतियों और फैसलों में भी सुनी जाए।

हम तकनीक के युग में जी रहे हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने बोलने की आज़ादी को अभूतपूर्व विश्तार दिया है। लेकिन इसी आज़ादी का दुरुपयोग भी बढ़ा है-झूठी खबरें, नफ़रत फैलाने वाले संदेश, और डिजिटल विभाजन ने समाज में नई खाइयाँ बना दी हैं। आज़ादी तभी सार्थक है जब अभिव्यक्ति जिम्मेदारी के साथ हो, और डिजिटल स्पेस का इश्तेमाल जागरूकता और प्रगति के लिए किया जाए, न कि भड़काने और बांटने के लिए।

आर्थिक मोर्चे पर भारत ने लंबी दूरी तय की है, लेकिन यह सफ़र सबके लिए एक जैसा नहीं रहा। एक ओर हम अरबपतियों की संख्या में दुनिया में आगे हैं, तो दूसरी ओर करोड़ों लोग अब भी रोज़गार, भोजन और इलाज के लिए संघर्ष कर रहे हैं। महानगरों की ऊँची-ऊँची इमारतों की छाया में झुग्गियों की ज़िंदगी किसी को दिखाई नहीं देती। सच्ची आर्थिक स्वतंत्रता का मतलब है कि हर नागरिक को अपनी मेहनत के दम पर जीवन सुधारने का अवसर मिले, और बुनियादी जरूरतों के लिए वह किसी के रहम पर न हो।

सामाजिक श्तर पर भी चुनौतियाँ कम नहीं हैं। जाति, धर्म और लिंग के आधार पर भेदभाव आज भी हमारे समाज में गहराई से मौजूद है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा में बराबरी का अधिकार कागजों पर है, लेकिन हकीकत में वे आज भी असमान अवसरों और हिंसा का सामना करती हैं। यह विडंबना है कि एक ओर हम मंगल पर पहुँचने की तैयारी कर रहे हैं, और दूसरी ओर लड़कियों की शिक्षा को बोझ समझने वाले विचार अब भी ज़िंदा हैं।

शिक्षा आज़ादी की असली नींव है। लेकिन हमारे यहां शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच दोनों में भारी असमानता है। महानगरों के निजी स्कूल और ग्रामीण इलाकों के जर्जर सरकारी स्कूल एक ही देश के हिस्से हैं, लेकिन दोनों की दुनिया अलग है। बिना मजबूत और समान शिक्षा व्यवस्था के हम एक जागरूक और सक्षम नागरिक समाज नहीं बना सकते, और बिना ऐसे समाज के लोकतंत्र भी मजबूत नहीं हो सकता।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी हालात चुनौतीपूर्ण हैं। कोविड-19 महामारी ने हमारी व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर कर दिया। बड़े-बड़े अस्पताल शहरों में हैं, लेकिन छोटे कस्बों और गांवों में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं भी सपना हैं। स्वतंत्रता का मतलब यह भी है कि कोई नागरिक इलाज की कमी से अपनी जान न गंवाए, और स्वास्थ्य सेवाएं केवल पैसे वालों के लिए न हों। आज के दौर की सबसे बड़ी चुनौती है-मानसिक गुलामी। हम में से कई लोग आज भी परंपराओं, अंधविश्वासों और पूर्वाग्रहों की जंजीरों में बंधे हैं। बदलाव को अपनाने के बजाय हम अक्सर उसे खतरा मान लेते हैं।

असली आज़ादी तब होगी जब हम सोचने, सवाल पूछने और नई राह अपनाने से नहीं डरेंगे। पर्यावरण संकट भी हमारी स्वतंत्रता से जुड़ा हुआ मुद्दा है। अगर हवा, पानी और मिट्टी जहरीली होती जाएगी, तो नागरिक का स्वस्थ जीवन जीने का अधिकार भी खोखला हो जाएगा। विकास और पर्यावरण संतुलन के बीच सामंजस्य बैठाना आज के भारत के लिए अनिवार्य है। स्वतंत्रता केवल अधिकार लेने का नाम नहीं, बल्कि कर्तव्य निभाने का भी है। हम ट्रैफ़िक सिग्नल तोड़ते हैं, टैक्स चोरी करते हैं, सफाई की अनदेखी करते हैं, और फिर भ्रष्टाचार व अव्यवस्था पर सवाल उठाते हैं। अगर नागरिक अपने कर्तव्य निभाने में ईमानदार नहीं होंगे, तो शासन भी ईमानदार नहीं हो सकता।

भारत की ताकत उसकी विविधता है। लेकिन यही विविधता हमारे लिए खतरा भी बन सकती है, अगर हम एक-दूसरे को केवल जाति, धर्म या भाषा के चश्मे से देखें। आज के दौर में हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि हम एक-दूसरे की पहचान का सम्मान करें और मतभेदों को दुश्मनी में न बदलने दें।

अब वक्त है कि हम स्वतंत्रता को केवल ऐतिहासिक घटना की तरह न मनाएं, बल्कि इसे एक सतत जिम्मेदारी की तरह जिएं। यह जिम्मेदारी सिर्फ़ सरकार की नहीं, हर नागरिक की है। हमें राजनीति में पारदर्शिता, न्यायपालिका में स्वतंत्रता, मीडिया में निष्पक्षता और समाज में समानता सुनिश्चित करनी होगी।

आज के भारत को ऐसी स्वतंत्रता चाहिए जिसमें हर बच्चा बिना डर और भेदभाव के स्कूल जाए, हर युवा को अपनी मेहनत के दम पर अवसर मिले, हर महिला सुरक्षित महसूस करे, हर बुजुर्ग को सम्मान और देखभाल मिले, और हर नागरिक अपने विचार स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर सके। यही वह भारत होगा जिसके लिए हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिया था।

राजनीतिक आज़ादी हमारी यात्रा की शुरुआत थी, लेकिन मंज़िल अभी बाकी है। जब तक हम असमानता, भेदभाव, गरीबी, और अज्ञानता को खत्म नहीं करेंगे, तब तक हमारी स्वतंत्रता का आलाप अधूरा ही रहेगा। इस अधूरेपन को पूरा करना हमारी पीढ़ी की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है-क्योंकि आने वाले भारत की पहचान हमारे आज के फैसलों से तय होगी।

स्वतंत्रा दिवस पर विशेष: भारतीयता का जीवंत प्रतीक है तिरंगा

हर्षवर्धन पान्डे

किसी भी देश का राष्ट्र ध्वज उसके स्वतंत्र होने का संकेत है। भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा केवल एक कपड़े या कागज़ का टुकड़ा नहीं है बल्कि यह भारत की आत्मा, इतिहास और संस्कृति का प्रतीक है। इसके तीन रंग केसरिया, सफेद, हरा और मध्य में अशोक चक्र भारतीयता के विभिन्न आयामों को दर्शाते हैं।

तिरंगा न केवल स्वतंत्रता संग्राम की गाथा को बयां करता है, बल्कि यह भारत की एकता, विविधता और आकांक्षाओं का भी प्रतीक है। तिरंगे ने अपने रंगों से दुनिया में अपनी अद्वितीय छवि बनाई है। राष्ट्रीय ध्वज के लिए हथकरघा खादी (सूती या रेशमी) कपड़ा इश्तेमाल किया जाता है। तिरंगे झंडे में नीले रंग का अशोक चक्र धर्म तथा ईमानदारी के मार्ग पर चलकर देश को उन्नति की ओर ले जाने की प्रेरणा देता है।

तिरंगे का केसरिया रंग साहस, बलिदान और त्याग का प्रतीक है। यह उन लाखों स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। भारतीयता का यह पहलू हमें निस्वार्थ भाव से देश के लिए समर्पित होने की प्रेरणा देता है। इसी तरह से सफेद रंग शांति और सत्य का प्रतीक यह रंग भारत की अहिंसावादी विचारधारा को रेखांकित करता है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में अहिंसा और सत्याग्रह ने न केवल भारत को स्वतंत्रता दिलाई, बल्कि विश्व को शांति का संदेश भी दिया। यह रंग भारतीयता की उस भावना को दर्शाता है जो सहिष्णुता और सामंजस्य में विश्वास रखती है। हरा रंग समृद्धि, उर्वरता और प्रकृति के प्रति भारत की गहरी आस्था को दर्शाता है। भारत की संस्कृति में प्रकृति और पर्यावरण का विशेष स्थान रहा है।

यह रंग हमें सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देता है। मध्य में नीले रंग का अशोक चक्र गतिशीलता और प्रगति का प्रतीक है। यह सम्राट अशोक के धर्म चक्र से प्रेरित है जो न्याय, धर्म और नैतिकता का प्रतीक है। यह चक्र भारतीयता के उस दर्शन को दर्शाता है जो निरंतर प्रगति और नैतिकता के मार्ग पर चलने को प्रेरित करता है। भारतीयता एक ऐसी अवधारणा है जो भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक विविधता को समेटे हुए है।

तिरंगा इस भारतीयता का एक जीवंत प्रतीक है। भारत विभिन्न धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं का देश है। तिरंगा इस विविधता को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करता है। जैसे तिरंगे के तीन रंग एक साथ मिलकर एक पूर्ण ध्वज बनाते हैं वैसे ही भारत की विभिन्न संस्कृतियाँ और समुदाय एक साथ मिलकर भारतीयता का निर्माण करते हैं।

यह ध्वज हमें सिखाता है कि भिन्नताओं के बावजूद हम एक हैं। तिरंगा स्वतंत्रता संग्राम का साक्षी रहा है। यह उन असंख्य बलिदानों का प्रतीक है जिन्होंने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्ति दिलाई। भारतीयता का यह पहलू हमें स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता की भावना से जोड़ता है। तिरंगा हमें याद दिलाता है कि हमारी स्वतंत्रता अनमोल है और इसे बनाए रखने के लिए हमें सतत प्रयास करना होगा।

भारतीय इतिहास में 1905 से पहले पूरे भारत की अखंडता को दर्शाने के लिए कोई राष्ट्र ध्वज नहीं था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1905 में स्वामी विवेकानंद की शिष्य सिस्टर निवेदिता ने पहली बार पूरे भारत के लिए एक राष्ट्रीय ध्वज की कल्पना की थी। सिस्टर निवेदिता द्वारा बनाए गए ध्वज में कुल 108 ज्योतियाँ बनाई गई थी। यह ध्वज चौकोर आकार का था। ध्वज के दो रंग थे- लाल और पीला। लाल रंग स्वतंत्रता संग्राम और पीला रंग विजय का प्रतीक था।

ध्वज पर बंगाली भाषा में वंदे-मातरम लिखा गया था और इसके पास वज्र (एक प्रकार का हथियार) और केंद्र में एक सफेद कमल का चित्र भी था। वर्तमान में इस ध्वज को आचार्य भवन संग्रहालय, कोलकाता में संरक्षित रखा गया है। इसके बाद 7 अगश्त 1906 को कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) के पारसी बागान चौक में ध्वज को फहराया गया। कोलकाता ध्वज प्रथम भारतीय अनाधिकारिक ध्वज था। इसकी अभिकल्पना शचिन्द्र प्रसाद बोस ने की थी। झंडे में बराबर चौड़ाई की तीन क्षैतिज पट्टियाँ थीं। शीर्ष धारी नारंगी, केंद्र धारी पीली और निचली पट्टी हरे रंग की थी।

शीर्ष पट्टी पर ब्रिटिश-शासित भारत के आठ प्रांतों का प्रतिनिधित्व करते 8 आधे खुले कमल के फूल थे और निचली पट्टी पर बाईं तरफ सूर्य और दाईं तरफ़ एक वर्धमान चाँद की तस्वीर अंकित थी। ध्वज के केंद्र में वन्दे-मातरम का नारा अंकित किया गया था। इसी तरह पहली बार विदेशी धरती पर भारतीय ध्वज मैडम भीकाजी कामा द्वारा 22 अगश्त 1907 को अंतर्राष्ट्रीय सोशलिस्ट कांग्रेस केस्टटगार्ट में फहराया गया था। इस ध्वज को सप्तर्षि झंडे' के नाम से जाना जाता है। यह ध्वज काफी कुछ वर्ष 1906 के झंडे जैसा ही था लेकिन इसमें सबसे ऊपरी पट्टी का रंग केसरिया था और कमल के बजाए सात तारे सप्तऋषि के प्रतीक थे। भारतीय धरती पर तीसरे प्रकार का तिरंगा होम रूल लीग के दौरान फहराया गया था।

"होम रूल आंदोलन" के दौरान कोलकाता में एक कांग्रेस अधिवेशन के दौरान यह ध्वज फहराया गया था। उस समय ध्वज स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई का प्रतीक था। इसमें 9 पट्टियाँ थीं, जिसमें 5 लाल रंग और 4 हरे रंग की थी। ध्वज के ऊपरी बाएँ कोने में यूनियन जैक था। शीर्ष दाएँ कोने में अर्धचंद्र और सितारा था।

ध्वज के बाकी हिस्सों में सप्तर्षि के स्वरूप में सात सितारों को व्यवस्थित किया गया था। वर्ष 1921 में आंध्र प्रदेश के पिंगले वेंकय्या ने बिजावाड़ा (अब विजयवाड़ा) में गांधीजी के निर्देशों के अनुसार सफेद, हरे और लाल रंग में पहला चरखा-झंडा डिजाइन किया था। इस ध्वज को स्वराज-झंडे के नाम से जाना जाता है। वर्ष 1931 ध्वज के इतिहास में एक यादगार वर्ष है। इस वर्ष तिरंगे ध्वज को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाने के लिए एक प्रश्ताव पारित किया गया। यह ध्वज जो वर्तमान स्वरूप का पूर्वज है, केसरिया, सफेद और मध्य में गांधी जी के चलते हुए चरखे के साथ था।

ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत को स्वतंत्र करने की घोषणा के बाद भारतीय नेताओं को स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज की आवश्यकता का एहसास हुआ। तदनुसार ध्वज को अंतिम रूप देने के लिए एक तदर्थ ध्वज समिति का गठन किया गया।

श्रीमती सुरैया बद्र-उद-दीन तैयबजी द्वारा प्रश्तुत स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के डिजाइन को 17 जुलाई 1947 को ध्वज समिति द्वारा अनुमोदित और स्वीकार किया गया था। समिति की सिफारिश पर 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने तिरंगे को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया। तिरंगे में तीन समान चौड़ाई की क्षैतिज पट्टियाँ हैं जिनमें सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी जो देश की ताकत और साहस को दर्शाती है।

बीच में श्वेत पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का संकेत है और नीचे गहरे हरे रंग की पट्टी देश के विकास और उर्वरता को दर्शाती है। तिरंगे के केंद्र में सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का अशोक चक्र है जिसमें 24 आरे (तीलियाँ) होते हैं।

यह चक्र एक दिन के 24 घंटों और हमारे देश की निरंतर प्रगति को दर्शाता है। तिरंगे को भारत की महिलाओं की ओर से 14 अगश्त, 1947 को संविधान सभा के अर्द्ध-रात्रिकालीन अधिवेशन में समर्पित किया गया था।

भारत ने राष्ट्रीय चिन्ह को 26 जनवरी, 1950 को अपनाया था। भारत के तिरंगे झंडे के ध्वज की लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 2:3 है। भारत का राज चिन्ह अशोक श्तम्भ के शीर्ष की एक प्रतिकृति है जो सारनाथ के संग्रहालय में सुरक्षित है। अशोक श्तम्भ तीन शेरों की आकृति जिसके नीचे एक चौखट के बीच में एक धर्म चक्र है। इस चक्र के दाई ओर एक बैल और बाई ओर एक अश्व है। चौखट के आधार पर 'सत्यमेव जयते' शब्द अंकित है।

भारत के राजचिन्ह में तीन प्रकारे के छः जानवर हैं-शेर (चार), बैल (एक), अश्व (एक) भारत का यह चिन्ह भारत की एकता का घोतक है। राष्ट्रीय चिन्ह के दो भाग शीर्ष और आधार हैं। शीर्ष पर शेर साहस और शक्ति का प्रतीक है। राष्ट्रीय चिन्ह के आधार भाग में एक धर्म चक्र है। चक्र के दायीं ओर एक बैल है तथा बायीं ओर एक घोड़ा है जो स्फूर्ति का ताकत व गति का। 'सत्यमेव जयते' मुंडकोपनिषद से लिया गया है। 'सत्यमेव जयते' का अर्थ सत्य की ही विजय है।

भारत के तिरंगे झंडे में चरखे की जगह "चक्र" 1947 को अशितत्व में आया। 26 जनवरी 2002 से फ्लैग कोड बदल गया है। भारतीयों को कहीं भी किसी भी समय गर्व के साथ झंडा फहराने की आजादी दे दी गयी है। अभी कुछ समय पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 19 ए अनुच्छेद के तहत ध्वज फहराने के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में घोषित किया था जिसके बाद देश में भारतीय ध्वज को दिन -रात फहराने की अनुमति दे दी गई है। 15 अगश्त 1947 आज़ाद भारत के इतिहास का ऐतिहासिक दिन था जब अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति पाकर भारत में नई सुबह हुई थी। स्वतंत्रता मिलने के बाद पहली बार देशवासियों ने खुली हवा में साँस ली और देश प्रगति के पथ पर अग्रसर हुआ।

आज़ादी के बाद से देश के कई प्रधानमंत्रियों और सरकारों को देखा है लेकिन इस अमृतकाल में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार के हर-घर तिरंगा जन अभियानों के माध्यम से देश के प्रति जोश, जज्बा और प्रबल हुआ है। किसी भी देशवासी के लिए भारत और भारतीयता का भाव पहले होना चाहिए। यह मुहिम जाति, धर्म, संप्रदाय से परे है और देश को इस अमृत काल में एकता के सूत्र में बांध सकती है। नागरिकों में देश प्रेम की भावना जगाने और संकीर्णता से बाहर निकालने का यही अमृतकाल है।

आज के समय में तिरंगा केवल एक राष्ट्रीय प्रतीक ही नहीं बल्कि भारत की आकांक्षाओं और सपनों का दर्पण भी है। यह हमें आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल भारत और विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है। हर घर तिरंगा जैसे अभियान भारतीयों को अपने ध्वज के प्रति गर्व और सम्मान की भावना को और गहरा करने का अवसर प्रदान करते हैं।

तिरंगा झंडा भारत और भारतीयता का एक ऐसा प्रतीक है जो हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है और भविष्य की ओर प्रेरित करता है। इसके रंग और चक्र हमें साहस, शांति, समृद्धि और प्रगति के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देते हैं। यह ध्वज हमें याद दिलाता है कि भारतीयता का अर्थ है विविधता में एकता, स्वाभिमान में साहस और शांति में प्रगति। तिरंगे के अक्स में हमारा भारत और हमारी भारतीयता न केवल जीवंत है बल्कि विश्व मंच पर एक प्रेरणा स्रोत के रूप में भी उभर रही है।

देश के प्रत्येक नागरिक को आज़ादी के इस अमृतकाल में इस पावन महायज्ञ में आहूति देकर पुण्य का भागीदार बनना चाहिए। तिरंगे को देखकर हर भारतीय के दिलों में राष्ट्रप्रेम की भावना उमड़ पड़ती है। राष्ट्र ध्वज देखकर उसके प्रति आदर भाव खुद ही जग जाता है।

तिरंगा साहस, त्याग, बलिदान के रंगों से सरोबार है। तिरंगे को सम्मान देते हुए आज हर देशवासी का कर्तव्य है इस अमृतकाल में अपने घरों में तिरंगा लहराकर वह इस उत्सव को ऐतिहासिक बनाए। आज़ादी के रणबांकुरों ने अपने शौर्य से जिस प्रकार देश के लिए तन-मन न्यौछावर कर दिया उसी प्रकार तिरंगा झंडा लहराकर हमें भारतबोध का अहसास होगा जो शहीदों को अमृत काल में सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

हवा-पानी की आज़ादी के बिना आज़ादी अधूरी

ललित गर्ग

देश एवं दुनिया के सामने स्वच्छ जल एवं बढ़ते प्रदूषण की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। शुद्ध हवा एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल एवं हवा सबसे जरूरी वश्तु है, जल एवं हवा है तो जीवन है। जल एवं हवा ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अशितत्व को संभव बनाता है। जीवन के तीन आधार तत्व हैं-हवा, पानी और धरती है। इनकी संरक्षा न केवल हमारी अशितत्व-निर्भरता से जुड़ी है, बल्कि मानवता की नैतिक जिम्मेदारी भी है।

आज का युग, जिस तेज़ी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में हवा और पानी को परम स्वाधीनता से वंचित कर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, दिल्ली का उच्च प्रदूषण सूचकांक, अमेरिका के जंगलों की धुएं से गंदली हवा, बढ़ता वाहन प्रदूषण-ये सब संकेत देते हैं कि हवा से आज़ादी मतलब 'स्वस्थ हवा' पाना है। हमारे "आज़ादी" को नया अर्थ चाहिए तो यह प्राकृतिक संसाधनों यानी हवा एवं पानी की आज़ादी पर भी निर्भर है, जो मानव व पर्यावरण-जगत दोनों के लिए जीवनदायिनी है। स्वतंत्रता का अर्थ केवल राजनीतिक बंधनों से मुक्ति नहीं है, बल्कि जीवन के हर पहलू में सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक अशितत्व का अधिकार है। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर जब हम आज़ादी का जश्न मना रहे हैं, तब यह सवाल भी उठाना जरूरी है कि क्या हमें हवा और पानी की सच्ची आज़ादी मिली है?

आज़ादी केवल तिथि नहीं, एक निरंतर संघर्ष है। यह सिर्फ़ झंडा फहराने का अधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं, समान अवसर और सम्मान देने की जिम्मेदारी है। हवा, पानी और धरती- इनके बिना जीवन संभव नहीं। पर दुर्भाग्य से आज इन मूलभूत संसाधनों पर गहरा संकट है। स्वच्छ हवा में सांस लेना और शुद्ध पानी पीना अब विलासिता जैसी चीज़ बनती जा रही है।

'हवा-पानी की आज़ादी' का मतलब है कि हर व्यक्ति को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी तक सहज पहुंच हो। यह केवल स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि मानवता का मूल अधिकार है। परंतु शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों के दुरुपयोग ने हवा और पानी दोनों को विषाक्त बना दिया है। विश्व में 2.2 अरब लोगों के पास सुरक्षित पेयजल की सुविधा नहीं है। भारत में करोड़ों लोग अभी भी दूषित या अपर्याप्त पानी पर निर्भर हैं। रसायनयुक्त कृषि, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक प्रदूषण और भूजल के अंधाधुंध दोहन ने जल की गुणवत्ता को लगातार गिराया है। जल संकट भविष्य में सबसे बड़ा युद्ध का कारण बन सकता है। भारत-पाकिश्तान के बीच बढ़ती युद्ध की संभावनाओं का कारण भी जल ही बनता हुआ दिख रहा है। ऑपरेश्न सिंधूर के बाद भारत ने पाक पर सिंधु जल समझौते को रद्द कर देने से पाक में जल संकट खड़ा हो गया है, पाक की ओर से परमाणु बम की धमकी दी जा रही है, वहीं भारत भी युद्ध की संभावनाओं को देखते हुए तैयार में जुट गया है।

जल संकट केवल भारत और पाक में ही नहीं, दुनिया में एक बड़ी समस्या है। क्योंकि ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियों का प्रवाह घट रहा है, भूजल का श्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़, सूखा और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2000 से अब तक बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। धरती का 70 प्रतिशत भाग पानी से भरा है, लेकिन पीने योग्य पानी केवल 3 प्रतिशत है, जिसमें से उपयोगी मीठा जल 1 प्रतिशत से भी कम है। बढ़ती जनसंख्या और बर्बादी ने इस अमूल्य संसाधन को गंभीर संकट में डाल दिया है।

दिल्ली और अन्य महानगरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार 'बहुत खराब' या 'खतरनाक' श्रेणी में पहुंचता है। प्रदूषित हवा श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर तक का कारण बन रही है। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। रिसर्च बताती है कि दिल्ली के 75 प्रतिशत से अधिक बच्चों को सांस लेने में कठिनाई होती है, आंखों में जलन और खांसी की शिकायत रहती है। वाहन प्रदूषण, औद्योगिक धुआं, निर्माण गतिविधियों की धूल और फसल अवशेष जलाना-ये सब मिलकर हवा को ज़हरीला बना रहे हैं।

भारत के पास जल प्रबंधन की प्राचीन परंपरा रही है-तालाब, कुएं, बावड़ियां, जोहड़ और सरोवर जल संरक्षण के अद्भुत उदाहरण हैं। राजस्थान के किलों और गांवों में जल संचयन व्यवस्था आज भी दुनिया के लिए प्रेरणा है। पर्यावरणविद अनुपम मिश्र कहते थे-"अब भी खरे हैं तालाब। " आज आवश्यकता है कि हम इन परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर जल संकट का समाधान करें। सरकार ने 'अटल भूजल योजना', 'नल से जल' और 'नदी पुनर्जीवन' जैसी योजनाएं शुरू की हैं। लेकिन केवल सरकारी प्रयास काफी नहीं, जनभागीदारी आवश्यक है। गांव-गांव में वर्षा जल संचयन, नदियों की सफाई, औद्योगिक अपशिष्ट का प्रबंधन और भूजल संग्रहण की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। हवा की शुद्धता के लिए जरूरी है कि सार्वजनिक परिवहन को विश्वसनीय और सुलभ बनाया जाये, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जाये, औद्योगिक उत्सर्जन पर सख्त नियंत्रण हो, हरित क्षेत्र और वृक्षारोपण को बढ़ाना अत्यंत जरूरी कदम हैं। आज़ादी का असली मतलब यह है कि सत्ता का केंद्र नागरिक हो, उसकी मूलभूत सुविधाएं हो और उसकी आवाज़ सिर्फ़ चुनावी भाषणों में नहीं, नीतियों और फैसलों में भी सुनी जाए।

आजादी के अमृतकाल में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए हमें हवा एवं पानी की आजादी के लिये संकल्प लेना होगा। वायु-जल संसाधनों पर गहराते संकट को खत्म करने के लिए अपनी जीवन-शैली में परिवर्तन करना होगा। इसके लिए सभी लोगों को बच्चे-बूढ़े, स्त्री-पुरूष, किसान, उद्यमियों सभी को पहल करनी है। पानी को बचाने एवं हवा की शुद्धि की आदत को व्यवहार में ढालना होगा। हवा में घूल रहा प्रदूषण भी खतरनाक होता जा रहा है। भू-विज्ञान मंत्रालय के एक रिसर्च के अनुसार वायु निर्माण में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों की रहती है। भवन निर्माण आदि से उड़नेवाली धूल 21.5 प्रतिशत के दूसरे स्थान पर है। दिल्ली परिवहन विभाग के आंकड़े के मुताबिक पिछले 30 साल में वाहन और उनसे होने वाला प्रदूषण तीन गुणा बढ़ गया है। फिर भी सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। खेती में प्रदूषकों की रोकथाम से जल संसाधनों के संकट और पारिस्थिकी तंत्र में बदलाव के संकट को कम किया जा सकता है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को नियमित करके समस्या को काफी हद तक सुलझाया जा सकता है। उपलब्ध जल संसाधनों तक उपभोग को सीमित करके, संसाधन पर दवाब कम किया जा सकता है।

आज हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं, हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है, विज्ञान और तकनीक में नए मुकाम हासिल हो रहे हैं। मेट्रो ट्रेन, डिजिटल पेमेंट, सैटेलाइट मिशन और वैश्विक मंच पर बढ़ता प्रभाव हमें गर्व से भर देता है। लेकिन इस चमक के पीछे एक सच छुपा है-हमारी आज़ादी अब भी अधूरी है। यह अधूरापन केवल गरीबी या बेरोज़गारी का नहीं, बल्कि शुद्ध हवा-पानी जैसी मूलभूत जरूरतों से जुड़ी सोच, व्यवस्था और व्यवहार में गहरे बैठी असमानताओं का है।

हमने अंग्रेज़ी शासन से मुक्ति पाई, लेकिन अगर हमारे बच्चे दूषित हवा में सांस लें और जहरीला पानी पिएं, तो यह कैसी आज़ादी है? आज़ादी का वाश्तविक अर्थ तभी होगा जब हर नागरिक को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी मिले। 78वां स्वतंत्रता दिवस केवल झंडा फहराने और भाषण देने का नहीं, बल्कि जीवनदायिनी संसाधनों की रक्षा का संकल्प लेने का अवसर है।

अपने घर, मोहल्ले और कार्यस्थल पर पानी बचाने की आदत डालें। प्लास्टिक का उपयोग कम करें। वर्षा जल संचयन करें। प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों का विरोध करें। वृक्षारोपण को जीवन का हिस्सा बनाएं। क्योंकि हवा और पानी की आज़ादी ही जीवन की सच्ची आज़ादी है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा

फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

नशीले पदार्थ के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना अकराबाद पुलिस टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ की बिक्री करने वाले एक शातिर अभियुक्त रहीसुद्दीन उर्फ चुम्मा पुत्र जफरुद्दीन निवासी मौहल्ला बेरीया कस्बा कोडियागंज थाना अकराबाद अलीगढ को एक किलो दौ सौ ग्राम गाँजा के साथ जिरोली हीरा सिंह को जाने वाले राश्ते पर बने यात्री शैड के सामने से गिरफ्तार किया।

तमंचा कारतूस सहित अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। जनपद में अपराध की रोकथाम व अवैध शस्त्र रखने वाले शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु जनपद में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना गांधीपार्क पुलिस टीम ने एक शातिर अभियुक्त अरुण कुमार उर्फ अन्नू पुत्र मनोज कुमार सोलंकी निवासी माली नगला हरीसिंह की ट्यूबैल के पास थाना गाँधीपार्क जनपद अलीगढ़ को एक तमंचा 315 बोर व एक जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ न्यू ओम गार्डन फार्म हाउस के सामने से गिरफ्तार किया।

ऑपरेशन क्लीन अंतर्गत 33.8 लीटर देशी शराब की गई नष्ट

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना मालखानों में रखे मालों का निश्तारण कराये जाने हेतु अभियान ऑपरेशन क्लीन चलाया जा रहा है, उसी क्रम में कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय के आदेश से थाना रोरावर पुलिस द्वारा आबकारी अधिनियम के 11 अभियोगों से सम्बन्धित शराब (कीमत करीब 15200/ रुपये) नष्ट कराई गई। थाना रोरावर मालखाना में दाखिल आबकारी अधिनियम के मालों के निश्तारण हेतु गठित कमेटी नगर मजिस्ट्रेट अलीगढ अतुल गुप्ता, सहायक पुलिस अधीक्षक प्रथम मंयक पाठक, आबकारी निरीक्षक सेक्टर-2 मनोज यादव, प्रभारी निरीक्षक थाना रोरावर विजय सिंह द्वारा कुल 11 अभियोगों में जब्त टैट्रा पैक देशी शराब को खाली जगह में जेसीबी से गड्ढ़ा खुदवाकर नष्ट कराया गया।

तमंचा कारतूस सहित अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। जनपद में अपराध की रोकथाम व अवैध शस्त्र रखने वाले शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु जनपद में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना क्वार्सी पुलिस टीम ने एक शातिर अभियुक्त दानिश पुत्र वली मौहम्मद निवासी गली न0 6 हम्जा मस्जिद के पास मौलाना आजाद नगर थाना क्वार्सी जनपद अलीगढ़ को एक तमंचा 315 बोर व एक जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ किले रोड पर कब्रिश्तान के पास से गिरफ्तार किया।

काम से लौटे युवक को मंदिर के पास बुलाकर की मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। इगलास कस्बे में एक युवक से मारपीट का मामला सामने आया है। मंगलवार को हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि करीब एक दर्जन लोग एक युवक की पिटाई कर रहे हैं। पीड़ित युवक के पिता राजेश ने कोतवाली इगलास में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनका बेटा सौरभ मजदूरी करके घर लौटा था। इसी दौरान उसे फोन आया और वह पथवारी मंदिर के पास पहुंचा। वहां पहले से मौजूद दर्जनों लोगों ने मिलकर उसकी पिटाई कर दी। राजेश ने अंबेडकर नगर के कुछ लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया है। इंस्पेक्टर नरेंद्र कुमार ने बताया कि मारपीट का वीडियो उनके संज्ञान में आया है। पुलिस वीडियो की जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

शांति देवी की आँखों से दो लोग देख सकेंगे

एनसीआर टुडे. अलीगढ़। सियाराम वृद्धाश्रम से अध्यक्ष डॉ एस के गौड़ को फोन आया कि शांति देवी का नेत्र देह दान होना है। डॉ गौड़ ने डॉ श्रॉफ आई केयर वृंदावन के डॉ रोशन व डॉ जावेद ऐनाटौमी, जे एन मेडीकल से देहदान हेतु सम्पर्क किया, दोनों ने अविलम्ब गन्तव्य पहुँच कर मानवीय कार्य को अंजाम दे नेत्र देह दान सफलतापूर्वक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया।

इस दौरान डॉ गौड़ ने सुनीता, सियाराम वृद्धाश्रम का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए साधुवाद कहा। उन्हीं के प्रयास से यह सम्भव हो पाया। इस दौरान डॉ गौड़ ने कहा कि हमको जानवरों से प्रेरणा लेना चाहिए कि मृत्यु पश्चात उनकी खाल व हड्डियां मनुष्य के काम आती हैं। उनसे प्रेरित हो हमें भी नेत्र देह दान करना चाहिए।

महापौर-नगर आयुक्त का वादा ये अभियान नही, जन आंदोलन

जनप्रतिनिधियों, पुलिस प्रशासनिक, व्यापार मंडल सहित अनेकों बुद्धजीवी होंगे अभियान में शामिल

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में महापौर प्रशांत सिंघल की पहल पर अलीगढ़ नगर निगम द्वारा 17 अगश्त को स्वच्छ अलीगढ़ स्वस्थ अलीगढ़ अभियान का शुभारंभ सेंटर पॉइंट से किया जाएगा। कार्यक्रम को ऐतिहासिक और जनसहभागिता से कराने के लिए गुरुवार को महापौर प्रशांत सिंघल व नगर आयुक्त की अध्यक्षता में पार्षदों के साथ जवाहर भवन सभागार में विचार विमर्श के लिए बैठक हुई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए महापौर ने कहा शहर की स्वच्छता और लोगों के दिमाग़ में स्वच्छता के प्रति संवेदना जागृत करने के लिए इसे जन आंदोलन का रूप दिया जाएगा ये अभियान एक दिन या 15 दिन का अभियान नही होगा ये एक जन आंदोलन है जो सालों चलेगा। बैठक में नगर आयुक्त ने पार्षदों को अवगत कराते हुए कहा अलीगढ़ नगर निगम शहर की स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अभियान के अंर्तगत लोगो को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ साथ कचरे को कूड़ेदान में ही डालने की के प्रति लोगो को सोच डेवलप करने का प्रयास किया जाएगा।

अभियान का भव्य शुभारंभ करने के लिए नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने सेंटर पॉइंट स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और सभी तैयारियों का जायजा लेते हुए अधिकारियों व कर्मचारियों को दायित्व सौंपे।

नगर आयुक्त ने बताया कि अभियान के तहत सेंटर पॉइंट क्षेत्र को पूर्णतया प्लास्टिक मुक्त घोषित किया जाएगा, कार्यक्रम के दौरान सेंटर पॉइंट से मैरिस रोड तक एक भव्य जनजागरूकता रैली निकाली जाएगी, जिसमें जनप्रतिनिधियों पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों विभिन्न व्यापार मंडल, रोटरी क्लब, एनजीओ और सैकड़ो की संख्या में नागरिक शामिल होंगे रैली के माध्यम से अलीगढ़वासियों को साफ-सुथरे और स्वस्थ वातावरण के लिए प्रेरित किया जाएगा। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि स्वच्छ अलीगढ़ दृ स्वस्थ अलीगढ़ अभियान सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि यह एक जनआंदोलन है नगर निगम को अपने शहर को साफ सुंदर और स्वस्थ बनाने के लिए हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी चाहिए। 17 अगश्त को होने वाला शुभारंभ समारोह पूरे शहर के लिए एक मिसाल बनेगा।

इस अभियान के तहत न केवल सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाया जाएगा, बल्कि नागरिकों में स्वच्छता को आदत विकसित करने पर भी जोर दिया जाएगा।

महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा अलीगढ़ हमारी पहचान है, और इसकी स्वच्छता हमारी जिम्मेदारी। मैं सभी अलीगढ़वासियों से अपील करता हूं कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने आस-पास सफाई बनाए रखने का संकल्प लें।

मैं विश्वास दिलाता हूं कि आने वाले समय में अलीगढ़ स्वच्छता के मामले में प्रदेश में उदाहरण पेश करेगा। बैठक में उप सभापति दिनेश जादौन राकेश ठाकुर अनिल सेंगर योगेश सिंघल असलम नूर, सबा खान, अब्दुल मुतालिबा मो गुलज़ार नूर अब्बासी नसरीन अफसाना बेगम लाल सिंह मनोज कुमार सददाम अशरवी, उम्मेद आलम आसिफ अल्वी, हाफिज़ अब्बासी, आशिया ओमवती मो। सुफियान नसी अहमद शबाना असलम, पार्वती देवी, स्वर्णलता रीनू सैनी अंशु अग्रवाल विनोद माहौर करन माहौर सूरज माहौर राजकुमार शेरसिंह सुनील कुमार, विनेश देवी केला देवी पुष्पादेवी दिनेश भारद्वाज सुभाष चंद पवन कुमार हरिओम कुमार संजय पंडित सुरेन्द प्रताप भूपेंद्र सिंह सुमन देवी रश्मि माहौर अगन लाल सेठी विमलेश आज़ाद सिंग राजबहादुर सिंह हिदेश कुमारी निरंजन सिंह योगेंद्र सिंह पूनम सिंह अरविंद बघेल आदि मौजूद थे।

अलीगढ़ डाक मंडल में आयोजित हुई फिलेटलिक क्विज प्रतियोगिता

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़ डाक मंडल द्वारा आज ब्लॉसम्स ग्लोबल स्कूल के विद्यार्थियों के लिए फिलेटलिक क्विज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में डाक टिकट संग्रह (चीपसंजमसल) के प्रति जागरूकता एवं रुचि बढ़ाना था। कार्यक्रम में 45 विद्यार्थियों एवं 5 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता के विजेताओं को वरिष्ठ डाक अधीक्षक, अलीगढ़ मंडल श्री अवधेश कुमार मिश्रा द्वारा ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। साथ ही, शिक्षको को स्मृति चिन्ह स्वरुप मिनिएचर शीट भी भेंट की गई द्य

इस मौके पर वरिष्ठ डाकपाल अलीगढ विनय वार्ष्णेय सहित परिवाद निरीक्षक निखिल त्रिवेदी, संजय खन्ना, दीपक यादव, तरुण शर्मा, आदित्य शर्मा, श्रीमती आशी बाजपेयी तथा अन्य डाक कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता से पूर्व विद्यार्थियों को डाकघर का शैक्षिक भ्रमण भी कराया गया, जिसमें उन्होंने डाकघर की विभिन्न सेवाओं एवं कार्यप्रणाली के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की। साथ ही, विद्यार्थियों को फिलेटली पर आधारित एक पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन भी दिखाया गया, जिसके माध्यम से उन्हें डाक टिकटों के इतिहास, महत्त्व एवं संग्रह की प्रक्रिया के बारे में विश्तार में बताया गया कि इस पहल से न केवल विद्यार्थियों में फिलेटली के प्रति रुचि जागृत हुई।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना दादों इलाके के गांव खुशीपुर कासिमपुर में मायके में रह रही एक महिला ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी उस समय हुई, जब महिला को मां जगाने पहुंची।

शोर शराबा सुनकर परिजन और ग्रामीण इकट्ठा हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा और पंचायत नामा की कार्यवाही कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव खुशीपुर कासिमपुर के रहने वाले उम्मीद सिंह ने 27 वर्षीय बेटी बबीता की शादी करीब सात साल पहले संभल जिले के दिवारी खुर्द के रहने वाले बबलू से की थी।

बबलू नोएडा में नौकरी कर परिवार का पालन पोषण करता है। भाई विजय ने बताया कि बहन बबीता सात महीने से मायके में रह रही थी।

उसके दिमाग का आगरा से इलाज कराया जा रहा था। बुधवार की रात्रि खाना खाकर मकान के ऊपरी हिस्से में बने कमरे में सोने चली गई। जबकि परिवार के अन्य सदस्य नीचे सो गए।

गुरुवार की सुबह मां सुनीता बहन को जगाने गई। काफी आवाज दी, लेकिन बबीता ने कोई जवाब नही दिया। इसके बाद उन्होंने खिड़की से कमरे के अंदर देखा। बबिता का शव फंदे से लटका हुआ था। ये नजारा देख उनकी चीख़ निकल गई।

शोर शराबा सुनकर परिवार के लोगों के अलावा ग्रामीण इकट्ठा हो गए। कंट्रोल रूम की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। गुरुवार दोपहर पुलिस ने कार्यवाही के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

उधर, बबिता की ससुराल पक्ष से परिजनों भी आ गए। विजय ने आगे बताया कि पिछले दिनों बहन और जीजा के बीच फोन पर बात हुई थी। तभी किसी बात पर विवाद भी हुआ, लेकिन किस बात पर कहासुनी हुई थी ये नहीं पता। बबिता ने अपने पीछे बेटा दो बेटा व एक बेटी को छोड़ गईं हैं।

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा आवेदन पत्र निरस्त किए जाने पर जताई नाराजगी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

संयुक्त आयुक्त उद्योग, अलीगढ़ मंडल, अलीगढ़ बीरेन्द्र कुमार द्वारा जिला अलीगढ़ की सीएम युवा उद्यमी योजना की समीक्षा की गई। योजना के अंतर्गत विभाग द्वारा 3200 आवेदन पत्र विभिन्न बैंक शाखों में प्रेषित किए गए जिसमें से 1450 आवेदन पत्र विभिन्न बैंकों द्वारा निरश्त किए गए।

922 आवेदन पत्र पर स्वीकृति व 790 आवेदन पत्रों पर ऋण वितरण की कार्यवाही की गई है। सर्वाधिक 235 आवेदन पत्रों का निरश्तीकरण भारतीय स्टेट बैंक द्वारा पाए जाने पर निरश्त किए गए प्रत्येक आवेदन पत्र का परीक्षण संयुक्त आयुक्त उद्योग द्वारा किया गया।

जिसमें यह पाया गया भारतीय स्टेट बैंक की अतरौली शाखा द्वारा 52, गोंडा शाखा द्वारा 29 में से 28, खैर शाखा द्वारा 35 में से 27 आवेदन पत्र निरश्त किए गए। सभी आवेदन पत्र लगभग एक जैसे कारणो से निरश्त पाए जाने पर संयुक्त आयुक्त उद्योग ने नाराजगी प्रकट करते हुए भारतीय स्टेट बैंक के जिला समन्वयक अभय कुमार श्रीवाश्तव को निर्देश दिया कि वह संबंधित शाखा प्रबंधकों से स्वयं संपर्क कर आवेदन पत्रों की पुनः जांच करें एवं उपायुक्त उद्योग अलीगढ़ को निर्देशित किया कि यदि बिना उचित कारण के आवेदन पत्र निरश्त किए जा रहे हैं तो संबंधित शाखा प्रबंधक के विरूद्ध जिला प्रशासन से सहयोग लेकर कार्रवाई कराई जाए।बैठक में पंजाब नेशनल बैंक के कई शाखा प्रबंधक द्वारा धनराशि मांगे जाने की शिकायतों पर भी संयुक्त आयुक्त उद्योग ने जिला समन्वयक पंजाब नेशनल बैंक को स्पष्ट रूप से अवगत कराया कि यदि किसी आवेदक से रिश्वत की मांग की जाती है तो संबंधित शाखा प्रबंधक के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

पंजाब नेशनल बैंक द्वारा अभी तक 201 आवेदन पत्र स्वीकृत व 116 आवेदन पत्रों पर ऋण वितरण की कार्रवाई की गई। बैंक ऑफ महाराष्ट्र, कोटक महिंद्रा, यूको बैंक व येस बैंक के किसी प्रतिनिधि के बैठक में ना आने पर अग्रणी जिला प्रबंधक को एसएलबीसी को अवगत कराए जाने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने सभी शाखा प्रबंधकों को स्पष्ट रूप से अवगत कराया कि सीएम युवा उद्यमी विकास माननीय मुख्यमंत्री जी की सर्वाधिक प्राथमिकता वाली योजना है, इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान के अतिरिक्त मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना व एक जनपद एक उत्पाद वित्त पोषण योजना की भी समीक्षा करते हुए शाखा प्रबंधकों को निर्देशित किया गया कि बैंकों में जो भी आवेदन पत्र लंबित है उनमें अधिकतम 15 दिन के अंदर कार्यवाही कर प्रत्येक दशा में लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित की जाए। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक अशोक कुमार सोनी उपायुक्त उद्योग आशीष गुप्ता, जिला समन्वयक भारतीय स्टेट बैंक पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बडौदा, केनरा बैंक सहित सभी बैंकों के जिला समन्वयक उपस्थित रहे।

हम इतिहास से सीख लें, आपसी भाईचारा व राष्ट्रीय एकता को और मज़बूत बनाए

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

भारत सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष 14 अगश्त को विभाजन विभीषिका स्मृति

दिवस के रूप में मनाया जाता है, ताकि 1947 में हुए भारत के विभाजन के दौरान विस्थापित हुए लाखों लोगों के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान को स्मरण किया जा सके। इस अवसर पर नौरंगी लाल राजकीय इंटर कालेज अलीगढ़ में भी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

प्रधानाचार्य रवींद्र पाल सिंह तोमर ने बताया कि विभाजन के समय करोड़ों लोग अपने घर-परिवार, ज़मीन-जायदाद और जीवन के सपनों को पीछे छोड़कर शरणार्थी बन गए। उस त्रासदी में अनगिनत परिवार बिछड़ गए और असंख्य लोगों ने अपनी जान गंवाई।

राजीव कुमार अग्रवाल जिला समन्वयक, जिला विज्ञान क्लब अलीगढ़ ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमें यह संकल्प दिलाता है कि हम इतिहास से सीख लें, आपसी भाईचारा और राष्ट्रीय एकता को और मज़बूत बनाएं।

इस अवसर पर गोष्ठी और मौन धारण जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को विभाजन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और उसके मानवीय पहलुओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में शिक्षण संस्थान के विद्यार्थी सहित शिक्षक राजीव मोहन भारद्वाज, हृदेश कुमार वार्ष्णेय, विपुल पाठक, बनी सिंह, अखिल कुमार, कविता सिंह आदि समश्त स्टॉफ उपस्थित रहा।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आयोजन कर विस्थापित परिजनों को किया गया सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती विजय सिंह की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में ''विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 1947 मे हुए देश के विभाजन से उत्पन्न मानव त्रासदी और विस्थापन के पीड़ादायक इतिहास को स्मरण किया गया।

कलैक्ट्रेट सभागार में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत नागरिकों, छात्र-छात्राओं, सामाजिक संगठनों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने शांति, सद्भाव और राष्ट्रीय एकता बनाए रखने का संकल्प लिया।

अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती विजय सिंह ने कहा कि विभीषिका मानव इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक है। लाखों लोगों से अपने घर, जमीन जायदाद, प्रियजनों और यहां तक कि अपने जीवन तक को खो दिया। उन्होंने कहा कि हम सभी को यह सुनिश्चित करना है कि ऐसी स्थिति अब दोबारा कभी भी न आए। देश की एकता, अखण्डता और सामाजिक सौहार्द अक्षुण्ण रहे।

महानगर अध्यक्ष इंजी0 राजीव शर्मा ने कहा कि यह त्रासदी क्यों और कैसे हुई, आज की युवा पीढ़ी को जानने की जरूरत है। 1947 में घटित त्रासदी इतनी विकराल थी कि लगभग 1.5 करोड़ लोगों विस्थापित होना पड़ा, धन-संपदा को लूटा गया, जान बचाने को भागना पड़ा। उन्होंने युवा पीढ़ी से कहा कि इतिहास से प्रेरणा लेकर समाज में भाईचारे और परस्पर सम्मान की भावना को प्रबल बनाएं। इस दौरान अतिथियों एवं स्कूली बच्चों ने प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। सिंध एवं सिक्ख समाज से आए नागरिकों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि विभाजन की त्रासदी से भावी पीढ़ी को अवगत कराने के लिए इस प्रकार के आयोजन करना एक सराहनीय प्रयास है।

सरदार भूपेन्द्र सिंह जत्थेदार ने कहा कि विभाजन की त्रासदी को याद कर आज भी रूह कांप उठती है। सरदार राजेन्द्र सिंह ने कहा कि समाज ने मेहनत मजदूरी कर पेट पाला और कभी अपने स्वाभिमान से समझौता न करते हुए देश का शीश नहीं झुकने दिया। ओमप्रकाश राजानी ने पुराने दिनों को याद कर बताया कि जब उनके माता-पिता त्रासदी के समय को याद करते थे तो उनके आंसू नहीं थमते थे।

इस अवसर पर सिदक सिंह, सुरेश कुमार, मनमोहन सचदेवा, यश नवलानी, जगदीश नवलानी, शंकर मखीजा, रमेश लाल, प्रवीण आर्य, अनिल कुमार, गुरूदीप सिंह, हरदीप जुनेजा, संतोष कुमार एवं अन्य सिक्ख व सिंध समाज के महानुभावों को शॉल ओढ़ाकर व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी संजीव रंजन, एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट, पीडी भाल चन्द त्रिपाठी, डीआईओएस पूरन सिंह, डीपीआरओ यतेन्द्र सिंह, अर्चना फौजदार समेत अन्य अधिकारी, गणमान्य नगरिक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सीडीओ प्रखर सिंह ने मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम में आए प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन नीतू सारस्वत द्वारा किया गया।

देशभक्ति के संदेश के साथ दौड़ेंगे युवा

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद। महामाया स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस पर देशभक्ति के संदेश के साथ युवा दौड़ लगाएंगे। दौड़ में करीब 70 से अधिक खिलाड़ी एवं अन्य लोग शामिल होंगे। महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर साल दौड़ का आयोजन किया जाता है। इस बार भी 15 अगश्त पर बालक एवं बालिकाओं के लिए विभिन्न दौड़ की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

राष्ट्रीय ध्वज हमारी आन-बान-शान : मनोज अलीगढ़ी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मनोज अलीगढ़ी ने कहा कि तिरंगा केवल एक कपड़े का टुकड़ा नहीं, बल्कि भारत की आन, बान और शान का प्रतीक है।

इसकी रक्षा के लिए हमारी तीनों सेनाओं के जांबाज़ जवान दिन-रात सीमाओं पर तैनात रहते हैं। उनके साहस और अद्भुत शौर्य की गूंज न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में सुनाई देती है। देश के गौरव इन सैनिकों को हर भारतीय नागरिक सिर झुकाकर नमन करता है।

यह बातें उन्होंने जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित स्वतंत्रता दिवस के दौरान कहीं। इस दौरान मनोज अलीगढ़ी ने जिलाधिकारी संजीव रंजन को 100 तिरंगा झंडा भेंट किये। इस मौके पर मनोज अलीगढ़ी ने कहा कि यह उनके लिए किसी सम्मान से कम नहीं।

उन्होंने कहा कि हर घर पर तिरंगा फहराना, सैनिकों और उनके परिवारों के त्याग को सम्मानित करने का एक अद्भुत अवसर है। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर मनोज अलीगढ़ी ने देशभर में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत भारतवासियों को तिरंगा बांटा जाएगा। यह दिन सेना की वीरता और बलिदान की याद दिलाता है।

जिलाधिकारी संजीव रंजन राष्ट्रीय ध्वज प्राप्त करना गर्व का विषय है और हर भारतीय के लिए यह दिन एक महोत्सव जैसा है। उन्होंने तिरंगे को हमारी जान बताया और कहा कि इसकी रक्षा के लिए जवान अपनी पूरी ताकत झोंक देते हैं। कार्यक्रम के दौरान मनोज अलीगढ़ी द्वारा सौंपे गए तिरंगे जवानों में वितरित किए गए।

इस मौके पर पूरा माहौल देशभक्ति के रंग में रंगा हुआ था, इस मौके पर अपर जिलाधिकारी अमित कुमार भट्ट, एडीएम प्रशासन पंकज कुमार, उप जिलाधिकारी महिमा सिंह, बॉक्सिंग एनआईएस कोच सोम प्रकाश शर्मा आजाद फाउंडेशन की शाजिया सिद्दीकी की मौजूद रहीऔर हर कोई तिरंगे की शान में एकजुट दिखाई दिया।

5 राजनीतिक दलों को कारण बताओ नोटिस जारी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी अलीगढ़ संजीव रंजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले की पॉच पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के प्रावधानों के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग में पंजीकृत इन पार्टियों द्वारा वर्ष 2019 से वर्ष 2025 तक विगत 06 वर्षों की अवधि में आयोजित एक भी चुनाव नहीं लड़े जाने एवं आयोग को आवश्यक सूचना उपलब्ध न कराने के कारण यह कार्यवाही की गई है। जिनमें ब्रज पार्टी, बेसवां मोरह, अलीगढ़-मथुरा रोड, पोस्ट बेसवां, तहसील इगलास, अलीगढ़।

किसान मजदूर सुरक्षा पार्टी, ग्राम खेरिया हैरत खान, तहसील गभाना, अलीगढ़, आम नागरिक पार्टी, ग्राम बौल्ला मजूपुर, पोस्ट कीरतपुर निमाना, तहसील इगलास, अलीगढ़, सर्वहित समाज सेवा पार्टी, ग्राम शाहजहांपुर बैजिना, तहसील खैर, अलीगढ़ व सर्व समाज कल्याण पार्टी, ग्राम सिंघरा, पोस्ट अहमदपुर अलीगढ़ है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि संबंधित पार्टियों के अध्यक्ष या महासचिव अपने प्रत्यावेदन हश्ताक्षरित एवं सभी आवश्यक अभिलेखों के साथ 21 अगश्त 2025 तक मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के कार्यालय में या व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर प्रश्तुत कर सकते हैं।

उन्होंने कहा है कि निर्धारित समय सीमा में प्रत्युत्तर न देने की स्थिति में यह माना जाएगा कि पार्टी के पास इस विषय में कुछ कहने को नहीं है और पार्टी का नाम भारत निर्वाचन आयोग की सूची से हटाए जाने की संश्तुति की जाएगी।

घर बैठे कमाई का झांसा दे 1.64 लाख ठगे

गाजियाबाद। साहिबाबाद थानाक्षेत्र में रहने व्यक्ति को जालसाजों ने घर बैठे कमाई का झांसा दे 1.64 लाख रुपये ठग लिए। 12 मार्च को हुई ठगी में पांच माह बाद रिपोर्ट दर्ज की गई है। अर्थला निवासी आस मोहम्मद ने पुलिस को बताया कि उन्हें व्हाट्सऐप पर एक लिंक भेजा गया। इस पर क्लिक करने के बाद वह टेलीग्राम के ग्रुप में जुड़ गए।